युवराज NEWS TODAY Update

न्यूज़ टुडे

आपकी आवाज़

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

RNI:- BIHHIN05409

newstodayupdate.in

रजि0 कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

वर्ष : 06 अंक : 10 तिथि : 31 मई 2020 (मूल अंक) मूल्य : निःशुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन 5.0 स्पेशल अंक

आर्थिक पैकेज 20 लाख करोड़ अंदर के पन्ने पर

अंदर के पन्ने पर

लॉकडाउन 5.0

लॉकडाउन में विस्तार के ऐलान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों से 'मन की बात' में कहा - आगे भी बरते सावधानी, कोरोना के खिलाफ लड़ाई अब भी गंभीर, कोरोना से लड़ाई में योग और आयुर्वेद काफी अहम

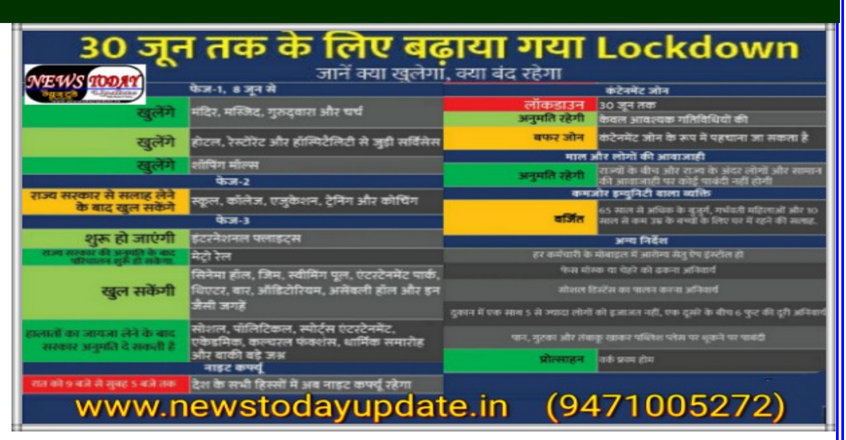

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

देश भर में लॉकडाउन में विस्तार के ऐलान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों से 'मन की बात' कर रहे हैं। कोरोना संकट के दौरान यह तीसरी बार है जब पीएम मोदी देश के लोगों को इस कार्यक्रम के जरिए संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत में पूरी मजबूती के साथ कोरोना वायरस की लड़ाई लड़ी जा रही है। पीएम मोदी ने एक बार फिर लोगों से अपील करते हुए कहा कि दो गज की दूरी के नियमों में जरी भी ढील न बरतें।

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा :

– कोरोना संकट के इस समय में योग आज इसलिए भी ज्यादा अहम है, क्योंकि ये वायरस, हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को सबसे अधिक प्रभावित करता है। योग में तो रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूत करने वाले कई तरह के प्राणायाम हैं, जिनका असर हम लंबे समय से देखते आ रहे हैं : पीएम मोदी– हर जगह लोगों ने योग और उसके साथ–साथ आयुर्वेद के बारे में और ज्यादा जानना चाहा है, उसे अपनाना चाहा है। कितने ही लोग, जिन्होंने कभी योग नहीं किया, वो भी या तो ऑनलाइन योग क्लास से जुड़ रहे हैं या फिर ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से भी योग सीख रहे हैं : पीएम मोदी– एक तरफ हम महामारी से लड़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ हमें हाल में पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में प्राकृतिक आपदा का भी सामना करना पड़ा है। हालात का जायजा लेने के लिए मैं ओडिशा और पश्चिम बंगाल गया था। संकट की इस घड़ी में देश भी, हर तरह से वहां के लोगों के साथ खड़ा है : पीएम मोदी

– हमारे देश में करोड़ों–करोड़ गरीब, दशकों से एक बहुत बड़ी चिंता में रहते आए हैं– अगर बीमार पड़ गए तो क्या होगा? इस चिंता को दूर करने के लिए ही करीब डेढ़ साल पहले 'आयुष्मान भारत' योजना शुरू की गई थी। कुछ ही दिन पहले 'आयुष्मान भारत' के लाभार्थियों की संख्या एक करोड़ पार हो गई है : पीएम मोदी

– हमारे रेलवे के साथी दिन–रात लगे हुए हैं। केंद्र हो, राज्य हो, स्थानीय स्वराज की संस्थाएं हो– हर कोई दिन–रात मेहनत कर रहा है। जिस प्रकार रेलवे के कर्मचारी आज जुटे हुए हैं, वे भी एक प्रकार से अग्रिम पंक्ति में खड़े कोरोना वॉरियर्स ही हैं : पीएम मोदी

– कोरोना के खिलाफ लड़ाई का यह रास्ता लंबा है। एक ऐसी आपदा जिसका पूरी दुनिया के पास कोई इलाज नहीं है। जिसका कोई पहले का अनुभव ही नहीं है। ऐसे में नई नई चुनौतियों और उसके कारण परेशानियां हम अनुभव कर रहे हैं : पीएम मोदी

– हमारे देश में भी कोई वर्ग ऐसा नहीं है जो कठिनाई में न हो, परेशानी में न हो और इस संकट की सबसे बड़ी चोट अगर किसी पर पड़ी है तो वो हमारे गरीब, मजदूर, श्रमिक वर्ग पर पड़ी है। उनकी तकलीफ, उनका दर्द, उनकी पीड़ा शब्दों में नहीं कही जा सकती : पीएम मोदी

– हमारे डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ, सफाईकर्मी, पुलिसकर्मी, मीडिया के साथी ये सब जो सेवा कर रहे हैं, उसकी चर्चा मैंने कई बार की है। मन की बात में भी मैंने उसका जिक्र किया है। सेवा में अपना सब कुछ समर्पित कर देने वाले लोगों की संख्या अनगिनत है : पीएम मोदी

– कोरोना से होने वाली मृत्यु दर भी हमारे देश में काफी कम है। जो नुकसान हुआ है, उसका दुःख हम सबको है, लेकिन जो कुछ भी हम बचा पाएं हैं, वो निश्चित तौर पर देश की सामूहिक संकल्पशक्ति का ही परिणाम है: पीएम मोदी

– देश में सबके सामूहिक प्रयासों से कोरोना के खिलाफ लड़ाई बहुत मजबूती से लड़ी जा रही है। हमारी जनसंख्या ज्यादातर देशों से कई गुना ज्यादा है, फिर भी हमारे देश में कोरोना उतनी तेजी से नहीं फैल सका, जितना दुनिया के अन्य देशों में फैला है : पीएम मोदी

– तमाम सावधानियों के साथ, हवाई जहाज उड़ने लगे हैं, धीरे–धीरे उद्योग भी चलने शुरू हो गए हैं, यानी, अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अब चल पड़ा है। ऐसे में, हमें और ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता है। दो गज की दूरी के नियम हो या मास्क लगाने की बात इसमें जरा भी ढिलाई नहीं बरतनी है: पीएम मोदी

– कोरोना के प्रभाव से मन की बात भी अछूती नहीं रही है। पिछली मन की बात के समय पैसेंजर ट्रेन, बसें, हवाई सेवा बंद थी, लेकिन इस बार काफी कुछ खुल चुका है : पीएम मोदी

शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 1 जून से शुरू होने वाले लॉकडाउन के अगले चरण के तहत कंटेनमेंट जोन के बाहर सभी गतिविधियों को फिर से खोलने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। नई गाइडलाइंस में तीन चरणों में प्रतिबंधों को हटाने का खाका पेश किया है। पहले चरण में आठ जून से धार्मिक स्थल, होटल, रेस्टोरेंट और मॉल को खुल जाएंगे। दूसरे चरण में स्कूलों, कालेजों व अन्य शिक्षण संस्थानों को जुलाई से खोला जाएगा। तीसरे चरण में मेट्रो, सिनेमा हॉल, जिम, स्विमिंग पूल समेत अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा को खोला जाएगा।

बता दें कि मन की बात का यह संस्करण मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल की पहली सालगिरह के एक दिन बाद हो रहा है। मन की बात के 64वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस के कारण देश में व्याप्त स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया था और लोगों से आग्रह किया था कि वे लॉकडाउन के दौरान गरीबों, प्रवासियों और जरूरतमंदों की मदद करें।

उन्होंने कहा था कि कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की लड़ाई लोगों द्वारा संचालित है और जनता और प्रशासन द्वारा एक साथ लड़ी जा रही है।प्रधानमंत्री ने 24 मार्च को कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर 21 दिन के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया था। लॉकडाउन को बाद में 31 मई तक बढ़ाया गया था।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, भारत ने शनिवार को सर्वाधिक 7,964 नए मामले सामने आए हैं। जबकि इस दौरान 265 लोगों की भी मौत हुई है। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 1,73,763 हो गई है, 86,422 सक्रिय मामले हैं और अब तक 82,370 ठीक हो चुके हैं। वहीं, जानलेवा वायरस की वजह से कुल 4,971 लोगों की जान जा चुकी है।

केंद्र सरकार ने लॉकडाउन 5.0 की अवधि को 30 जून तक बढ़ाया, तीन चरण में बंटा है लॉकडाउन, नया नाम अनलॉक-1, कंटेनमेंट जोन के बाहर चरणबद्ध तरीके से छूट

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

कोरोना वायरस महामारी के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने लॉकडाउन की अवधि को 30 जून तक बढ़ा दिया है. सरकार ने लॉकडाउन 5.0 की गाइडलाइन भी जारी कर दी है. इस लॉकडाउन को तीन चरण में बांटा गया है और इसे अनलॉक–1 नाम दिया गया है. वहीं इस बार सरकार ने कंटेनमेंट जोन के बाहर चरणबद्ध तरीके से छूट दी गई है.

इस बार केन्द्र सरकार ने निषिद्ध क्षेत्र की परिभाषा तय करने और स्थान विशेष को निषिद्ध क्षेत्र घोषित करने के लिए राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को और अधिकार दिए हैं. राजधानी दिल्ली में फिलहाल 102 निषिद्ध क्षेत्र हैं. लॉकडाउन के बाद देश को चरणबद्ध तरीके से खोलने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए केन्द्र ने कहा है कि सार्वजनिक धार्मिक स्थलों, होटलों, रेस्तरां, शॉपिंग मॉल और अन्य आतिथ्य सत्कार सेवाएं भी आठ जून से शुरू हो जाएंगी. आपको बताते हैं कि इस लॉकडाउन में क्या खुलेगा और क्या बंद रहेगा.

जानें क्या खुलेगा, क्या बंद रहेगा

लॉकडाउन 5.0

फेज–1, 8 जून से

मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च खुलेंगे.
होटल, रेस्टोरेंट और हॉस्पिटैलिटी से जुड़ी सर्विसेस शुरू हो जाएंगी.
शॉपिंग मॉल्स खुलेंगे.

फेज 2

स्कूल, कॉलेज, एजुकेशन, ट्रेनिंग और कोचिंग इंस्टिट्यूट राज्य सरकार से सलाह लेने के बाद खुल सकेंगे.

फेज 3

इंटरनेशनल फ्लाइट्स शुरू हो जाएंगी.
मेट्रो रेल, राज्य सरकार की अनुमति के बाद परिचालन शुरू हो सकेगा.
–सिनेमा हॉल, जिम, स्वीमिंग पूल, एंटरटेनमेंट पार्क, थिएटर, बार, ऑडिटोरियम, असेंबली हॉल और इन जैसी जगहें खुल सकेंगी.
– सोशल, पॉलिटिकल, स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट, एकेडमिक, कल्चरल फंक्शंस, धार्मिक समारोह और बाकी बड़े जश्न– हालातों का जायजा लेने के बाद सरकार अनुमति दे सकती है.

नाइट कर्फ्यू

देश के सभी हिस्सों में रात को 9 बजे से सुबह 5 बजे तक अब नाइट कर्फ्यू रहेगा.
कंटेनमेंट जोन में लॉकडाउन– 30 जून तक
कंटेनमेंट जोन में केवल आवश्यक गतिविधियों की अनुमति रहेगी.
राज्यों के बीच और राज्य के अंदर लोगों और सामान की आवाजाही पर कोई पाबंदी नहीं होगी.
65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और 10 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए घर में रहने की सलाह.

अन्य निर्देश

हर कर्मचारी के मोबाइल में आरोग्य सेतु ऐप इंस्टॉल हो
फेस मॉस्क या चेहरे को ढकना अनिवार्य
सोशल डिस्टेंस का पालन करना अनिवार्य
दुकान में एक साथ 5 से ज्यादा लोगों को इजाजत नहीं
दुकान में एक दूसरे के बीच 6 फुट की दूरी अनिवार्य
शादी के लिए अधिकतम 50 और अंतिम संस्कार के लिए अधिकतम 20 लोगों को इजाजत
पान, गुटका और तंबाकू खाकर पब्लिश प्लेस पर थूकने पर पाबंदी

प्रोत्साहन

वर्क फ्राम होम

NEWS TODAY Update – न्यूज़ टुडे – News Today - सदैव सत्य के साथ

बिहार सरकार ने लॉकडाउन ५.० में ४.० वाली ही गाइडलाइंस को आगे जारी रखने का ऐलान किया

केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए देश में एक बार फिर से लॉकडाउन को बढ़ा दिया गया है. लॉकडाउन 5.0 को केंद्र सरकार ने अनलॉक 1 का नाम दिया है. गृह मंत्रालय की नई गाइडलाइन के मुताबिक कंटेनमेंट जोन में अब भी पूरी तरह से पाबंदी रहेगी, लेकिन बाकी जगहों पर धीरे–धीरे छूट दी जाएगी. यही नहीं, देश के सभी हिस्सों में रात को 9 बजे से सुबह 5 बजे तक अब नाइट कर्फ्यू रहेगा. इसके साथ बिहार सरकार ने भी लॉकडाउन बढ़ाने का ऐलान कर दिया है. हालांकि बिहार सरकार की तरफ से नई गाइडलाइंस जारी नहीं की हैं बल्कि लॉकडाउन 4.0 वाली ही गाइडलाइंस को आगे जारी रखने का ऐलान किया है. साफ है कि इस दौरान भी बिहार के लोगों को कई रियायतें मिलती रहेंगी.

बिहार में लॉकडाउन 5.0 के दौरान मिलेंगी ये रियायतें

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

लॉकडाउन 5.0

1. कंटेनमेंट जोन और रेड जोन से बाहर सभी प्रकार की उपभोक्ता वस्तुओं, कपड़ों की दुकानें तथा रेडीमेड वस्त्र दुकानों को नियंत्रित ढंग से खोला जाएगा. यहां यह ध्यान रखना आवश्यक होगा कि अत्यधिक भीड़ न हो.
2. किसी एक स्थान पर स्थित अनेक दुकानों को बारी–बारी से सप्ताह के अलग–अलग दिन अथवा अलग–अलग समय पर खोलने का आदेश जिलाधिकारी करेंगे.
3. ओला, उबेर एवं अन्य टैक्सी सिर्फ चिकित्सीय कारणों के लिए तथा रेलगाड़ियों के यात्रा के लिए रेलवे स्टेशन तक जाने और आने के लिए करें.
4. किराये के बसों का परिचालन जिला के अंदर तथा अंतरजिला पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा.
5. इसके अतिरिक्त गाड़ियों ध्‍ व्यक्तियों का अंतर जिलाध्‍ जिला के अंदर परिचालन भी प्रतिबंधित रहेगा (अनुमान्य गतिविधियों को छोड़कर).
6. ऑटो रिक्शा के परिचालन के संबंध में परिवहन विभाग अलग से समुचित आदेश निर्गत करेगा.
7. ग्राहकों के लिए आवश्यक निर्देश आवश्यक सामग्री की खरीदारी अपने आसपास के दुकानों से ही करें दूर जाकर समानों की खरीदारी करने की अनुमति नहीं है.
8. सरकारी कार्यालयों में उप सचिव या समकक्ष तथा उनसे वरीय अधिकारी शत–प्रतिशत एवं उनसे कनीय अधीनस्थ अधिकारी, कर्मचारी प्रतिदिन बारी–बारी से 33 प्रतिशत उपस्थित रहेंगे.
9. प्राइवेट संस्थाओं के व्यवसायिक कार्यलयों में भी 33 प्रतिशत कर्मियों के साथ खोलने की अनुमति होगी.
10. बिहार में अब स्कूल खुल सकते हैं, क्योंकि केंद्र सरकार ने नई गाइडलाइंस (लॉकडाउन 5.0) में राज्य सरकारों को स्कूल कॉलेज खोलने के फैसले के लिए अधिकृत किया है.

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

जीवन की पलकों पर ठहरा हुआ "आँसू" ढलक गया, नही रहे गीतों के राजकुमार पंडित अश्विनी कुमार आँसू, जिले में शोक की लहर

विनम्र श्रद्धांजलि

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

भोजपुरी और हिंदी के मूर्धन्य कवि और उपन्यासकार अश्विनी कुमार आँसू का आज 76 वर्ष की उम्र में देहावसान हो गया। आपका जन्म सुगौली अंतर्गत ग्राम–पो० सुगाँव में 01 जनवरी 1944 को हुआ था। हिंदी भाषा–साहित्य से स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की।इसके अतिरिक्त संगीत,समाज शिक्षा, पुस्तकालय विज्ञान, राज्य स्तरीय लेखा एवं पंचायती राज अधिनियम परीक्षोतीर्ण रहे।समाज शिक्षा अनुदेशक,लेखापाल सह प्रधान सहायक के पद से सेवानिवृत्त होकर गांव पर ही रह रहे थे।

निलही कोठी, निरालय,दोहावली, मुक्तक मधु, ऐसे होगा भारत महान (नवजागरण गीत), प्रगति के पच्चीस द्वार, मोतियों की माला (हिंदी गीत संग्रह), संजीवनी (हिंदी गजल संग्रह), आराधना(भोजपुरी गजल संग्रह), चंदन, रामा(हिंदी उपन्यास), राष्ट्रपिता (हिंदी महाकाव्य,जो लेखन के क्रम में था) और धरोहर(भोजपुरी गीत एवं कविता संग्रह) उनकी रचनात्मक कृतियाँ हैं।उन्होंने कई कालजयी गीतों की रचना की। उनका गीत ' टोअलो में टिसेला छिँउकिया के साटी राम ' बड़ा प्रसिद्ध था। इस एक गीत पर प्रसिद्ध आलोचक महेश्वराचार्य ने चौदह पृष्ठों में अपना उद्‌गार व्यक्त किया था।

हाल ही में पंडित अश्विनी कुमार आंसू युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट की बहुप्रतीक्षित फीचर फिल्म एवं वेब सीरीज " चम्पारण सत्याग्रह " में गीत लिखे थे। फिल्म के निर्देशक वरीय पत्रकार एवं फिल्मकार डा. राजेश अस्थाना ने कहा कि वे निःशब्द हैं। उन्होंने पंडित आंसू के निधन को व्यक्तिगत अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि वे मेरे पिताजी के मित्र थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और स्वर्ग में स्थान दें तथा उनके परिजनों, शुभचिन्तकों को इस अपार दुख को झेलने की शक्ति दें। उनका निधन चम्पारण के साहित्य जगत के साथ साथ मेरी व्यक्तिगत अपूरणीय क्षति है।

हाल ही में पंडित अश्विनी कुमार आंसू युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट की बहुप्रतीक्षित फीचर फिल्म एवं वेब सीरीज " चम्पारण सत्याग्रह " में गीत लिखे थे। फिल्म के निर्देशक वरीय पत्रकार एवं फिल्मकार डा. राजेश अस्थाना ने कहा कि वे निःशब्द हैं। उन्होंने पंडित आंसू के निधन को व्यक्तिगत अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि वे मेरे पिताजी के मित्र थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और स्वर्ग में स्थान दें तथा उनके परिजनों, शुभचिन्तकों को इस अपार दुख को झेलने की शक्ति दें। उनका निधन चम्पारण के साहित्य जगत के साथ साथ मेरी व्यक्तिगत अपूरणीय क्षति है।

अश्विनी कुमार आँसू के निधन पर पूरा साहित्यिक,सामाजिक और सांस्कृतिक समाज आहत है। उनके निधन पर वरीय गांधीवादी, पूर्व मंत्री व गांधी संग्रहालय के सचिव ब्रज किशोर सिंह, प्रो० राम निरंजन पाण्डेय, प्रो० शोभा कान्त चौधरी, प्रो० रवीन्द्र कुमार रवि, प्रो० मंजरी वर्मा, फारुक राहिब, डॉ०अख्तर सिद्दीक, तफजील अहमद , डा.राजेश अस्थाना, प्रो० अरूण मिश्रा, प्रसाद रत्नेश्वर, अभय अनन्त, गुलरेज शहजाद, संजय पाण्डेय, अनिल वर्मा, धनुषधारी कुशवाहा, डॉ० मधुबाला सिन्हा, डॉ०सबा अख्तर, मिथिलेश घायल, संजय उपाध्याय, अंजनी अशेष ने अपनी संवेदना प्रकट करते हुए इसे एक अपूर्णीय क्षति बताया। कहा कि उनके निधन से चम्पारण की काव्य रचना के एक युग के अंत हो गया।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर प्रोजेक्ट इज्जत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

पूर्वी चम्पारण जिला के आठ प्रखंडों क्रमशः मोतिहारी सदर, तुरकौलिया, सुगौली, चकिया, कोटवा, पकड़ी दयाल, संग्रामपुर एवम् आदापुर में प्रोजेक्ट इज्जत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर आयोजित उक्त कार्यक्रमो में सम्बन्धित अनुमंडल के प्रखंडों से संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी के अतिरिक्त जीविका प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि प्रोजेक्ट इज्जत अभियान के तहत जन औषधि केंद्रो से प्राप्त सैनिटरी नैपकिन को स्थानीय ग्राम संगठन जीविका दीदियों के माध्यम से संबंधित पोषक क्षेत्र की महिलाओ को अत्यंत सस्ते दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रोजेक्ट अभियान का मूल उद्देश्य है पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओ को स्वच्छता हेतु प्रेरित करना। उक्त के संदर्भ में जिला प्रशासन की पहल पर प्रोजेक्ट इज्जत अभियान की शुरुआत सदर प्रखंड अंतर्गत मधुबनी घाट में संबंधित ग्राम संगठन जीविका दीदियों द्वारा कि गई थी।

वर्तमान में प्रोजेक्ट इज्जत अभियान लगभग अधिकांश प्रखंडों में संचालित किया जा रहा है। प्रोजेक्ट इज्जत अभियान के तहत आज पकड़ी दयाल अनुमंडल, मोतिहारी सदर, एवं अरेराज अनुमंडलों में संबंधित अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारियों की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रमों में प्रोजेक्ट इज्जत अभियान के उद्देश्यों, वर्तमान क्रियान्वयन स्थिति के संबंध में जानकारी दी।

उक्त अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने क्रियान्वित प्रोजेक्ट अभियान की सराहना करते हुए कहा कि उक्त अभियान पर्यावरणीय मानकों के अनुकूल ग्रामीण क्षेत्रो में व्यक्तिक स्वच्छ ता को बढ़ावा देने में सहायक होगा। जिलाधिकारी श्री शीर्षत ने सरकारी योजनाओ के क्रियान्वयन, जनकल्याणकारी अभियानों के प्रचार प्रसार में जीविका दीदियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जीविका दीदी के सहयोग एवम् समन्वय से प्रोजेक्ट इज्जत अभियान जिला में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करने में अवश्य सफल होगा।

कार्यक्रम में प्रोजेक्ट इज्जत अभियान के उद्देश्योंवर्तमान क्रियान्वयन स्थिति के संबंध में क्रमशः अनुमंडल पदाधिकारी,चकिया ब्रहेश कुमार, वरीय उप समाहर्ता सुश्री दीपशिखा एवं डीपीएम, जीविका श्री वरुण कुमार ने अपने विचारो से अवगत कराया। उक्त कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात जिलाधिकारी श्री शीर्षत ने जीविका के सौजन्य से संचालित एक मुट्ठी अनाज अभियान के तहत चकिया प्रखंड में अवस्थित आदर्श उच्च विद्यालय भुरथुहिया के प्रांगण में जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच सूखे राशन एवम् अन्य आवश्यक भोज्य सामग्री का वितरण किया।

उक्त अवसर पर भुरथूहिया मुशहर टोली से संबंधित ग्रामीणों द्वारा पीडीएस के संबंध में शिकायत की गई,जिलाधिकारी महोदय ने तत्काल संबंधित बीडीओ, बीपीएम, कम्युनिटी मोबिलाइजर आदि को शिकायत के यथोचित निवारण का निर्देश दिया है। उक्त अवसर पर सहायक समाहर्ता समीर सौरभ भी उपस्थित थे।

ट्रेन में सफर के दौरान खाना नही मिलने की शिकायत करने पर नोडल आईएएस अधिकारी एपी सिंह ने कहा- कूद जाइये वहां से और क्या करिएगा

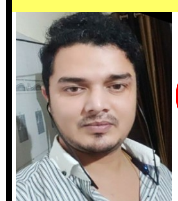

शर्मनाक

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

झारखंड सरकार ने प्रवासी मजदूरों को वापस लाने का जिम्मा सीनियर आईएएस अधिकारी एपी सिंह को सौंपा है. लेकिन वे अपने इस काम के प्रति किस हद तक संवेदनशील हैं, वायरल हो रहे एक ऑडियो क्लिप से इसका पता चलता है. दरअसल, कथित तौर पर इस क्लिप में एक मजदूर और एपी सिंह की बातचीत दर्ज है. जिसमें एक मजदूर ट्रेन में सफर के दौरान खाना नहीं मिलने की शिकायत एपी सिंह से करता है, तो फोन पर एपी सिंह उसे ट्रेन से कूद जाने को कहते हैं. हालांकि, न्यूज टुडे इस ऑडियो क्लिप की पुष्टि नहीं करता है.

अबतक 3 लाख मजदूर लौट चुके हैं प्रदेश

पूरे देश कोरोना वायरस के चलते जारी लॉकडाउन से सबसे ज्यादा परेशानी विभिन्न जगहों पर फंसे मजदूरों को हो रही है. संकट की इस घड़ी में मजदूरों को मदद देने के लिए सरकार और निजी संस्थाएं भी सामने आई हैं. मजदूरों को वापस अपने प्रदेश लाया जा रहा है. झारखंड में अभी तक करीब तीन लाख प्रवासी मजदूर घर वापस आ चुके हैं. ट्रेन, बस, ट्रक, पैदल जिसको जैसे हुआ घर लौटे हैं. लेकिन इस हालात में राज्य के एक वरिष्ठ नौकरशाह का इस कदर असंवेदनशील रुख शर्मिंदा करने वाला है.

प्रवासी मजदूरों को वापस लाने की व्यवस्था को हैंडल कर रहे हैं एपी सिंह

बता दें कि झारखंड सरकार की तरफ से प्रवासी मजदूरों को वापस लाने के लिए 15 से ज्यादा आईएएस अधिकारियों को राज्यवार नोडल अधिकारी बनाया गया. इस व्यवस्था को हेड सीनियर आईएएस एपी सिंह ही कर रहे हैं. वे सीधे चीफ सेक्रेट्री को रिपोर्ट करते हैं. मुसीबत में फंसे प्रवासी मजदूर मदद मांग सके, इसलिए हर नोडल अधिकारी का नंबर जारी किया गया है. लेकिन एक प्रवासी मजदूर की बेबसी पर एपी सिंह ने कुछ ऐसा कह दिया जिससे पूरी ब्यूरोक्रेसी सकते में है.

ट्रेन से सफर कर रहे एक मजदूर ने एपी सिंह को फोन किया और उन्हें अपनी परेशानी बताई, तो आईएएस अफसर ने क्या कहा जानिए

प्रवासी मजदूरः हैलो सर, हेलो–हेलो
एपी सिंह : हेलो
प्रवासी मजदूरः हेलो सर नमस्कार
एपी सिंह : नमस्कार
प्रवासी मजदूरः ये फोन एपी सिंह सर के पास लगा है
एपी सिंहः कौन आप बोल रहे हैं
प्रवासी मजदूरः हम लोग झारखंड के प्रवासी मजदूर बोल रहे हैं. स्पेशल ट्रेन से वापस आ रहे हैं, सर, सुबह से खाना नहीं मिला है, भूख से परेशान हो गए हैं हम लोग
एपी सिंहः अच्छा, खाना रेलवे को देना है, रेलवे देगा खाना
प्रवासी मजदूरः कब देगा सर३सुबह में खाली एक पैकेट ब्रेड..एक केला और एक बोतल पानी दिया है३उसी में दिन भर काटना पड़ रहा है सर३कैसे क्या करें
एपी सिंहः कूद जाइये वहां से और क्या करिएगा
प्रवासी मजदूरः कूद जाने से अच्छा रहेगा क्या
एपी सिंहः रास्ते में जो देना है वो हमको नहीं रेलवे को देना है

मोतिहारी के क्वारंटाइन सेंटर में पेड़ से लटकता मिला प्रवासी मजदूर का शव

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

क्वारंटाइन सेंटर में एक प्रवासी मजदूर का शव क्वारंटाइन सेंटर के बाहर पेड़ से लटकता मिला है. प्रवासी मजदूर की मौत के बाद प्रसाशनिक महकमें में हड़कंप मच गया है. मोतिहारी के कल्याणपुर प्रखंड के शीतलपुर क्वारंटाइन सेंटर का मामला है.
जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि मृतक पप्पू राम महाराष्ट्र के कोल्हापुर से लौटा था. जिसके बाद उसे कल्याणपुर प्रखंड के शीतलपुर क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया था, जहां गुरुवार की सुबह उसका शव पेड़ से लटकता मिला है.
वहीं मृतक पप्पू राम का भतीजा रमेश कुमार राम ने बताया कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर से दो लोगों साथ लौटे थे। उसने बताया कि जब कोरेन्टाईन सेन्टर में शौचालय है तो वे कैसे रात में बाहर कैसे निकले। मिलीभगत से उनकी हत्या किया गया है, जो जांच का विषय है। परिजनों ने हत्या कर शव को लटकाने की आशंका जताई है. परिजनों का कहना है कि ये आत्महत्या नहीं बल्कि मर्डर किया गया है. वहीं मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच जांच में जुट गई है.

केंद्र सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर, मंत्री प्रमोद कुमार ने लोगों के बीच मास्क व साबुन का वितरण किया

रिंकू गिरी,
संवाददाता

केंद्र सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर बिहार सरकार के कला संस्कृति व युवा विभाग मंत्री प्रमोद कुमार ने शनिवार को लोगों के बीच मास्क व साबुन का वितरण किया। इस दौरान शहर के विभिन्न चौक–चौराहों सहित विधानसभा के पीपराकोठी, ठेकहां व लखौरा के कई गांवों में दुकानदारों के बीच मास्क, साबुन, हैंडवास, सैनिटाइजर आदि का वितरण किया। साथ ही लोगों से शारीरिक दूरी का पालन करते हुए घर से निकलने पर मास्क का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की।
वही मंत्री ने केंद्र की मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पुरा होने पर प्रधानमंत्री के द्वारा किए गए कार्यो की सराहना की। मौके पर मंत्री के साथ योगेंद्र प्रसाद, रविभूषण श्रीवास्तव, मैनेजर सिंह, वीरबहादुर प्रसाद, संजय सिंह लिटिल, रामेश्वर महतो, पूण्यदेव पंडित, उतम मिश्रा, मनोज कुमार, अभिताभ भार्गव, ओमप्रकाश सिंह, कामेश्वर चौरसिया, रविद्र सहनी, संजय ठाकुर, जितेंद्र चौधरी, चंदेश्वर सहनी, चंद्रशेखर प्रसाद, किशोरी सहनी, नथुनी पंडीत मौजूद थे।

प्रवासियों का गांव से रिश्ता जुड़ा, लेकिन इसका उलट परिणाम भी अब आने लगे, दो माह में पहुंच गए 40 हजार मामले

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

लंबे समय से प्रवास में रहे लोग गांव लौट रहे हैं। प्रवासियों का गांव से रिश्ता जुड़ा, लेकिन इसका उलट परिणाम भी अब आने लगे हैं। परिवारों में झगड़े बढ़ गए हैं। रगड़े (बेमतलब के झगड़े) भी बढ़ गए हैं। जैसे शहर से लौटे एक भाई का सवाल था कि इस वर्ष आम के पेड़ पर इतने फल दिख रहे, पिछले वर्ष तो फोन पर बताते थे कि आम आया ही नहीं। बड़े भाई और भाभी यह सफाई देते–देते नाराज हो गई हैं कि आम तो हर वर्ष एक जैसा नहीं आता। आता भी है तो आंधी और ओले की वजह से बचता कहां है? इस तरह के सवाल दूरी बढ़ा रहे।

दो माह में पहुंच गए 40 हजार मामले

पिछले दो महीने में बिहार के पंच–सरपंच की कचहरी में 40 हजार झगड़े सुलझाने के लिए पहुंचे हैं। कुल 8683 पंचायतों के 45 हजार गांवों और 1.13 लाख टोलों से झगड़े के आंकड़े दर्ज हुए हैं। पैतृक संपत्ति में हिस्सा, बाग–खेत को बटाई पर लगाने वाले व्यक्ति के चयन, मकान के कमरों का बंटवारा, पिछले वर्ष की उपज का हिसाब – जैसे कई विषय इन दिनों घर–आंगन में विवाद का वजह बन रहे।

रिश्तेदारों में बढ़ रहा विवाद

दअरसल, प्रवास में रहे भाई–चाचा को लॉकडाउन के पहले ज्यादा मतलब नहीं होता था या फुरसत नहीं होती थी कि वह इन गांव में मामूली आय वाले इन 'पचड़ों' में पड़ें। लेकिन अब ऐसे 'पचड़े' महत्वपूर्ण हो गए हैं। कभी खाली पड़े रहे मकान अब भरे–पूरे हो गए हैं। भाई–भाई, चाचा–भतीजा, सास–बहू और ननद–भौजाई के झगड़े भी बढ़े हैं।

कहते हैं कि पंच–सरपंच संघ के अध्यक्ष

बिहार राज्य पंच–सरपंच संघ के अध्यक्ष आमोद कुमार निराला कहते हैं कि पंच–सरपंच संघ ने 40 हजार से अधिक गृह कलह और आपसी विवाद के मामलों का समझौता से निपटारा कराया है। इनमें से कुछ मामले अभी भी बने हुए हैं। प्रवासियों के लौटने की वजह से ही सर्वाधिक झगड़े बढ़े हैं। गांव की कचहरी में जब ऐसे मामले पहुंच रहे तो संबंधित पक्षों को समझाया जा रहा। आपस में प्रेम से रहने की सीख दी जा रही। भाई–भाई में छोटी बात पर विवाद उचित नहीं।

इगो के कारण मामूली झगड़े भी पकड़ लेते तूल

निराला कहते हैं कि इन झगड़ों का निपटारा भी मुश्किल होता है। कारण कभी–कभी मामूली होते हैं, लेकिन 'इगो' बड़ा होता है। बिहार में पंचायती राज कानून के तहत सरपंच, उप सरपंच और पंच को आइपीसी की धाराओं के तहत 10 हजार रुपये तक के मामलों की सुनवाई और अधिकतम एक हजार रुपये जुर्माना करने का अधिकार है। ग्रामीणों के बीच झगड़ा–विवाद होने पर पंचायतें समझौता करा सकती हैं। आपराधिक मामलों की सुनवाई भी कर सकती हैं। उन्हें लगान वसूली, संपत्ति की क्षति एवं बंटवारा आदि की सुनवाई का अधिकार है। वह इस अधिकार का इस्तेमाल कर अधिसंख्य मामलों को पुलिस थाने तक जाने से रोकते हैं।

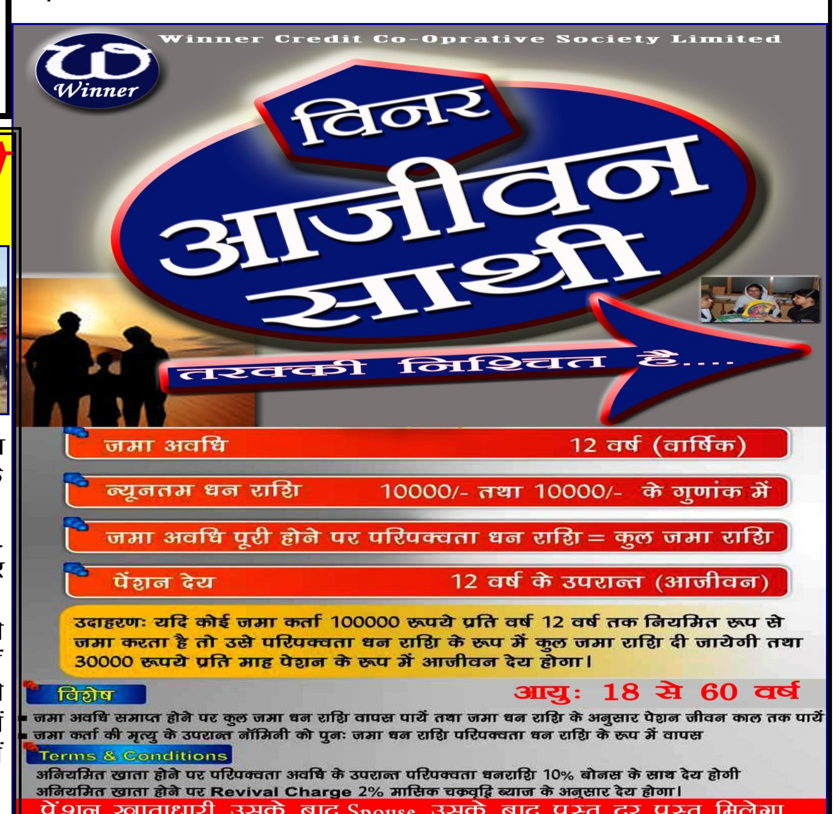

NEWS TODAY Update
Web News Portal: www.newstodayupdate.in
न्यूज़ टुडे आपकी आवाज
राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
Yuvaraj Media & Entertainment
An Ideal Film Production
बस एक क्लिक कीजिए
देश दुनिया की खबर के साथ अपनी खबर भी देखिए
www.newstodayupdate.in
A Fast Growing Web News Portal
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

NEWS TODAY Update
www.newstodayupdate.in
Yuvaraj Media & Entertainment
Regd. No.: 20469, Western India Film Producers Association, Mumbai.
Regd. Off.: Asthana Niwas, Mathiya Zirat, Motihari-845401, Bihar.
Mumbai Off.: B-3-6, 2-4, Sumangal Apartment, Sector-3, Vashi, Navi Mumbai-400703.
Delhi Off.: RZ/G 129B, Mahabir Enclave, Part 1, Old Som Bazar Behind Delhi Porperties, Dashrathpuri, New Delhi - 110045.

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

रजि० कार्यालय :
अष्ठाना निवास,
मठिया जिरात,
मोतिहारी-845401
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें-
9471005272

आर्थिक पैकेज 20 लाख करोड़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष राहत पैकेज का ऐलान किया, हर वर्ग को मिलेगी राहत

न्यूज टुडे एक्सक्लूसिव :

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष राहत पैकेज का ऐलान किया है. ये 20 लाख करोड़ सूक्ष्म, लघु, मंझोले, उद्योग यानी एमएसएमई के लिए हैं. ये पैकेज उस श्रमिक, किसान के लिए है जो हर हालात, हर मौसम में दिन रात देशवासियों के लिए परिश्रम कर रहे हैं, ये ईमानदारी से टैक्स भरने वाले मध्यम वर्गीय लोगों के लिए है, उद्योग जगत के लिए है.

आज बुधवार को होंगी राहत पैकेज के विस्तार से जुड़ी सभी घोषणाएं

पीएम मोदी ने कहा कि 13 मई से वित्त मंत्री इस आर्थिक पैकेज की विस्तार से जानकारी देंगी. इस पैकेज के साथ अब देश का आगे बढ़ना अनिवार्य है. पीएम मोदी ने कहा, 'हाल में सरकार ने कोरोना संकट से जुड़ी जो आर्थिक घोषणाएं की थीं, जो रिजर्व बैंक के फैसले थे, और आज जिस आर्थिक पैकेज का ऐलान हो रहा है, उसे जोड़ दें तो ये करीब–करीब 20 लाख करोड़ रुपए का है. ये पैकेज भारत की जीडीपी का करीब–करीब 10 प्रतिशत है. इन सबके जरिए देश के विभिन्न वर्गों को, आर्थिक व्यवस्था की कड़ियों को, 20 लाख करोड़ रुपए का संबल मिलेगा, सपोर्ट मिलेगा.'

(1) किसानों के लिए क्या होगा खास

पीएम ने कहा, 'पिछले 6 साल में जो रिफॉर्म हुए, उनके चलते आज भारत की अर्थव्यवस्था अधिक सक्षम व समर्थ बनी है. रिफॉर्म्स के दायरे को व्यापक करते हुए नई हाइट पर ले जाना है. ये रिफॉर्म खेती से भी जुड़े होंगे ताकि किसान सशक्त हो और भविष्य में कोरोना संकट जैसे किसी अन्य आपदा में खेती के कामकाजों पर कम असर हो. समय की मांग है कि भारत हर स्पर्धा में जीते, ग्लोबल सप्लाई चेन में बड़ी भूमिका निभाए. इसे देखते हुए आर्थिक पैकेज में कई प्रावधान हैं.

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सरकार, पीएम किसान सम्मान योजना के विस्तार पर फैसला हो सकता है. इसके अलावा किसानों की आमदनी बढ़ाने को लेकर भी ऐलान होने की उम्मीद है.

(2) छोटे उद्योगों के लिए आ सकती है सौगात

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए, इस पैकेज में लैंड, लेबर, लिकवीडिटी और लॉ सभी पर बल दिया गया है. ये आर्थिक पैकेज हमारे कुटीर उद्योग, गृह उद्योग, हमारे लघु–मंझोले उद्योग, हमारे एमएसएमई के लिए है. जो करोड़ों लोगों की आजीविका का साधन है, जो आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का मजबूत आधार है. ये आर्थिक पैकेज देश के उस श्रमिक के लिए है, देश के उस किसान के लिए है जो हर स्थिति, हर मौसम में देशवासियों के लिए दिन रात परिश्रम कर रहा है.

(3) नौकरी पेशा के लिए भी हो सकती है बड़ी घोषणा

ये आर्थिक पैकेज हमारे देश के मध्यम वर्ग के लिए है, जो ईमानदारी से टैक्स देता है, देश के विकास में अपना योगदान देता है.

(4) इंफ्रास्ट्रक्चर पर इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा

राहत पैकेज में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ेगा. लिहाजा देश में विदेशी कंपनियां भी तेजी से निवेश कर सकती है.

(5) प्लाई चेन को आधुनिक बनाएंगे

पीएम ने कहा कि हमारे पास साधन, सामर्थ्य है, बेस्ट टैलेंट है. हम बेस्ट प्रॉडक्ट बनाएंगे, क्वालिटी बेहतर करेंगे, सप्लाई चेन को आधुनिक बनाएंगे. हम ऐसा कर सकते हैं और जरूर करेंगे.

पीएम ने कच्छ भूकंप का उदाहरण देते हुए कहा कि भूकंप में कच्छ पूरी तरह तबाह हो गया था लेकिन कच्छ फिर बढ़ चला. यही भारतीयों की क्वालिटी है. ठान लें तो कोई राह मुश्किल नहीं. आज चाह भी है राह भी है. यह है भारत को आत्मनिर्भर बनाना. भारत की संकल्प शक्ति ऐसी है कि हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं.

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे विदेशी कंपनियां भारत में निवेश बढ़ा सकती है. लिहाजा भारत में नौकरियों के अवसर बनेंगे. आत्मनिर्भर भारत की भव्य इमारत 5 खंभों इकोनॉमी, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी ड्रिवन व्यवस्था, डेमोग्राफी, डिमांड पर खड़ी है. डिमांड बढ़ाने और इसे पूरा करने के लिए सप्लाई चेन के हर स्टेकहोल्डर का सशक्त होना जरूरी है. सप्लाई चेन को हम मजबूत करेंगे.

कोरोना लंबे समय तक हमारी जिंदगी का हिस्सा रहेगा, हमने कोरोना आपदा को अवसर में बदला : पीएम

कोरोना वायरस महामारी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार रात राष्ट्र के नाम संबोधन में लॉकडाउन को लेकर अहम ऐलान किया. पीएम मोदी ने कहा कि लॉकडाउन 4.0 पहले से बिल्कुल अलग और नए नियमों वाला होगा. पीएम मोदी ने कहा कि 'लॉकडाउन का चौथा चरण पूरी तरह नए रंग रूप वाला और नए नियमों वाला होगा. राज्यों से मिल रहे सुझावों के आधार पर लॉकडाउन 4 की जानकारी आपको 18 मई से पहले दी जाएगी.'

कोरोना लंबे समय तक हमारी जिंदगी का हिस्सा रहेगा

राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'वैज्ञानिक बताते हैं कि कोरोना लंबे समय तक हमारी जिंदगी का हिस्सा बना रहेगा, लेकिन हम अपनी जिंदगी को इस हद तक ही नहीं सिमटने देंगे. हम मास्क पहनेंगे और दो गज दूरी का पालन करेंगे, लेकिन लक्ष्यों को प्रभावित नहीं होने देंगे

पीएम मोदी ने कहा कि जब मैंने देश से खादी खरीदने का आग्रह किया था और कहा था कि आप देश के हैंडलूम वर्कर्स को सपोर्ट करें तो तेजी से यह ऊंचाइयों पर पहुंचा और आपने उसे ग्लोबल ब्रांड बना दिया.

हमें लोकल मार्केट पर गर्व करना चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना ने हमें लोकल मार्केट चेन का महत्व भी समझा दिया है. लोकल केवल जरूरत नहीं बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है. लोकल को हमें अपना जीवन मंत्र बनाना ही होगा. आपको जो ग्लोबल ब्रांड्स दिखते हैं, वो भी कभी लोकल थे. लेकिन जब वहां के लोगों ने उन्हें अपनाया और उन्हें स्वीकारा तो वे लोकल से ग्लोबल बन गए. ऐसे में आज से हर भारतवासी को लोकल के लिए वोकल बनना है. आज से हर भारतवासी को न सिर्फ लोकल प्रोडक्ट खरीदने हैं बल्कि उनपर गर्व भी करना है.

हमनें कोरोना आपदा को अवसर में बदला

यह आपदा भारत के लिए एक संकेत, एक संदेश और एक अवसर लेकर आई है. इससे पहले भारत में एक पीपीई किट नहीं बनती थी और N95 मास्क का नाममात्र उत्पादन होता था. लेकिन आज भारत में 2–2 लाख पीपीई किट और एन95 मास्क का उत्पादन हो रहा है. यह आपदा को अवसर में बदलने से हुआ. भारत के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के ऐसा हो सका.

21वीं सदी हिंदुस्तान की होगी

पीएम मोदी ने दुनिया में कोरोना से मारे गए 2.75 लाख लोगों के स्वजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की. उन्होंने कहा कि ऐसा संकट हमने न पहले देखा न सुना था. यह त्रासदी अकल्पनीय और अभूतपूर्व है, लेकिन टूटना, बिखराना मानव को स्वीकार्य नहीं है. हमें इस जंग में सतर्क रहकर बचना भी है और आगे भी बढ़ना है. जब दुनिया संकट में है तो हमें अपना संकल्प और मजबूत करना होगा.

पिछली शताब्दी से ही सुनते आए हैं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की होगी. कोरोना संकट के दौरान हमें स्थितियों को अच्छे से देखने–समझने का मौका मिला है. जब हम स्थितियों को अब देखते हैं तो लगता है कि 21वीं सदी भारत की हो तो यह सपना ही नहीं हमारी जिम्मेदारी भी लगती है. विश्व की आज की स्थिति हमें सिखाती है कि इसका रास्ता एक ही है. आत्म निर्भर भारत.

भारत का संकल्प आत्मनिर्भर बनने से ही पूरा होगा

जो हमारे बस में है, जो हमारे नियंत्रण में है, वही सुख है. आत्म निर्भरता हमें सुखी करने के साथ सशक्त भी करती है. 21वीं सदी के भारत का संकल्प भारत को आत्मनिर्भर बनाने से ही पूरा होगा. हम भारत को आत्मनिर्भर बनाकर रहेंगे, इस विश्वास के साथ मैं आपको बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं.

बिहार में लॉकडाउन उल्लंघन के कुल 2183 मामले में 2047 लोग गिरफ्तार, 70 हजार 203 गाड़ियां जब्त, जुर्माने के तौर पर अब तक वसूले कुल 16 करोड़ 25 लाख 08 हजार 136 रुपए

सम्राट,
संवाददाता, न्यूज टुडे

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने 24 मार्च को पूरे देश में लॉकडाउन लागू किया गया था. लॉकडाउन का पालन सख्ती से हो इस बात की जिम्मेवारी पुलिस को मिली थी. इस दौरान सरकार और प्रशासन की तरफ से बार बार पब्लिक को अपने घरों में रहने को कहा गया. लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की हिदायत भी दी गई. लेकिन इस दौरान सरकारी फरमान का बार बार उल्लंघन हुआ. लोग लाख मना करने के बावजूद अपने घरों से बाहर निकले. ऐसे लोगों के खिलाफ बिहार पुलिस ने पूरी सख्ती बरती है.

मिली है तीन दिनों तक ये रियायत

हालांकि विगत दिनों पहले एमएचए की ओर से जारी एसओपी के तहत राज्य सरकार ने सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक दुकानों के साथ साथ कई जरूरी दुकानों के साथ ऑनलाइन खाने रेस्टूरेंट से मंगवाने की छूट दी है. इसके बावजूद लोग बेवजह अपने घरों से निकलने से बाज नहीं आ रहे.

कड़ाई से किया गया लॉकडाउन का पालन

प्रदेश की राजधानी पटना हो या फिर राज्य का कोई और जिला पुलिस ने पूरी कड़ाई के साथ इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की. बिहार पुलिस की तरफ से मिले आंकड़ों के अनुसार 24 मार्च से लेकर अबतक यानी पूरे 50 दिनों तक लॉकडाउन उल्लंघन के कुल 2183 मामले में सामने आए. अलग अलग थानों में एफआईआर दर्ज किए गए. इसके अलावा लॉकडाउन तोड़ने वाले 2047 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. जबकि लॉकडाउन में बगैर प्रशासनिक अनुमति और पास के सड़क पर दौड़ रही 70 हजार 203 गाड़ियों को जब्त किया गया.

जुर्माने के तौर पर वसूले गए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा

इस दौरान बिहार पुलिस ने राजधानी समेत अलग अलग जिलों में कार्रवाई करते हुए जुर्माने के तौर पर कुल 16 करोड़ 25 लाख 08 हजार 136 रुपए अबतक वसूले. बात सिर्फ कल यानि की शुक्रवार की करें तो पूरे बिहार में लॉकडाउन उल्लंघन मामले में 44 लोगों को गिरफ्तार किया गया. उसके अलावा 14 एफआईआर दर्ज की गई. साथ ही 1078 गाड़ियां जब्त की गई. जबकि जुर्माने के तौर पर 32

अभिनेता सोनू सूद कर्नाटक से महाराष्ट्र की यात्रा करने के लिए 350 असहाय, अभावग्रस्त प्रवासी श्रमिकों को घर भेजने के लिए परिवहन की व्यवस्था किया, अब झारखंड,

सुनील चौधरी,
संवाददाता, न्यूज टुडे : नई दिल्ली

फिल्म अभिनेता सोनू सूद बॉलीवुड के ऐसे कलाकार बन गए हैं जो असहाय, अभावग्रस्त प्रवासियों को घर भेजने के लिए परिवहन की व्यवस्था कर रहे हैं. सोनू ने कई बस सेवाओं का आयोजन किया है जो प्रवासी श्रमिकों को उनके घर वापस भेजने में मदद करेगा और सभी कोरोना वायरस के इस कठिन समय में अपने परिवारों से मिल हो पाएंगे. सोमवार को अभिनेता ने कर्नाटक से महाराष्ट्र की यात्रा करने के लिए 350 प्रवासी श्रमिकों के लिए बस की व्यवस्था की थी और आने वाले दिनों में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में और लोगों को भेजने की उम्मीद है.

उन्होंने मुंबई मिरर से बातचीत में कहा, "उन्हें खुश और भावुक देखकर बहुत संतोष हुआ कि वे घर जा रहे हैं. हम ओडिशा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार के लोगों को उनके स्थानों पर भेजने के लिए एक योजना बनाने की कोशिश कर रहे हैं. हम रांची और बिहार के लोगों के काम कर रहे हैं जो अंतिम चरण में हैं. कागजी कार्रवाई प्रक्रिया में है. अगर सब कुछ ठीक रहा, तो हम उन्हें आज या कल भेजने की कोशिश करेंगे."

सोनू सूद ने कहा कि वह एक टीम के रूप में दोस्तों और एनजीओ के साथ काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "जब मैं इन डॉक्टरों, नर्सों, पुलिसकर्मियों और अन्य अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के बारे में पढ़ता हूं, तो मैं निस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का पालन करता हूं. मैं सामाजिक दूरी बनाए रखता हूं और कुछ मिनटों के बाद बार–बार, सभी सावधानियां बरतने की कोशिश करता हूं. जब आप इन लोगों के साथ बातचीत करते हैं, तो वे उम्मीद महसूस करते हैं. उन्हें लगता है कि कुछ लोग उन्हें वापस घर भेज देंगे. इसमें कुछ समय लग सकता है लेकिन ऐसा होगा."

उन्होंने मौजूदा समय के बारे में कहा,' अब यह अलग दुनिया है और इससे बाहर निकलते ही यह एक बहुत ही अलग दुनिया होगी. हम सभी काम, फाइनेंस, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के मामले में बुरी तरह प्रभावित हुए हैं.' उन्होंने आगे कहा था, "हमें परिस्थितियों में जीने का रास्ता खोजना होगा. मेरा दिन प्रवासी श्रमिकों के लिए परिवहन, सरकारी अनुमति लेने, अन्य चीजों के बीच भोजन का आयोजन करने जैसी चीजों में जाता है. मैं संतुष्ट महसूस करता हूं. मेरे पास समय है, तो जरूरतमंदों को देना महत्वपूर्ण है.'

एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, "मैं सिर्फ 5500 रुपये लेकर मुंबई आया था और मैंने पर्याप्त कमाई की थी. मेरी माँ कहती है 'जीवन देने के लिए है'. यदि मैं समाज को कुछ नहीं दे सकता हूं, तो यह एक अच्छा जीवन नहीं है जिसका मैं नेतृत्व कर रहा हूं. मेरे घर की सुख–सुविधाओं में रहने के दौरान ये लोग क्या कर रहे हैं, यह सोचकर मेरी रातों की नींद हराम हो जाती है. "

लॉकडाउन होने के बावजूद बैंक में राशि की निकासी के लिए उपभोक्ताओं की भीड़ बेकाबू, सावन के महीने में जलाभिषेक के लिए उमड़ी लोगों की भीड़ जैसा नजारा दिखा बैंक में

संतोष राऊत न्यूज टुडे,

लॉकडाउन होने के बावजूद बैंक में राशि की निकासी के लिए पूर्वी चम्पारण जिले के तेतरिया प्रखंड में उपभोक्ताओं की भीड़ कल बेकाबू दिखी। जिस प्रकार सावन के महीने में जलाभिषेक के लिए लोगों की भीड़ लगती है उसी प्रकार बैंक में नजारा दिखा। तेतरिया प्रखंड के मधुआहा वृत्त गांव स्थित बैंक आफ दंडिया की शाखा में सुबह से ही खासकर महिलाओं की भीड़ लगी रही। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में शारीरिक नियमों की धज्जियां उड़ती रही। कोराना महामारी को लेकर जारी लॉकडाउन के चलते उत्पन्न स्थिति में सहायता हेतु प्रधानमंत्री गरीब कल्याण फंड से जन–धन खाते मे उपलब्ध कराई गई राशि निकालने के लिए भारी संख्या मे ग्राहक जमा हो रहे हैं। इस स्थिति में संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

ऐसा नहीं है कि बैंक प्रबंधक की ओर से इसका ख्याल नहीं रखा गया है। लॉकडाउन के चलते छाया के लिए टेंट लगाया गया है। ग्राहकों के लिए शुद्ध पेयजल और सैनिटाइजर का प्रबंध किया गया है। बांस–बल्ला लगा कर तीन–चार लंबी कतार भी बनाई गई है। वही प्रशासन से सुरक्षा प्रबंध की मांग की गई। इसके आलोक में प्रशासन ने भी यहां एक जमादार के नेतृत्व मे चार चौकीदार की प्रतिनियुक्ति की है। बीच–बीच में पुलिस गाड़ी भी निगरानी में आती है। बैंक की सुरक्षा गार्ड भी इनके साथ भीड़ संभालने मे जुटे हुए हैं। मगर भीड़ बेकाबू हो जा रही है। बताया जाता है कि सुबह 4 बजे से ही लोग कतार में खड़े हो जाते हैं।

उनके बीच यह अफवाह फैला दी गई है कि खाते में राशि रहने के बाद सरकार उसे वापस कर लेगी। इसलिए वे जल्दी से उक्त राशि को निकालने के लिए बेचौन हो गए हैं। गर्मी के बीच लाइन में धक्का–मुक्की भी हो रही है।

राजेपुर थाने के अनि रामेश्वर उपाध्याय ने बताया कि यहां महिलाएं लाख प्रयास के बावजूद शारीरिक दूरी के अनुपालन नहीं कर रही हैं। जरूरत है महिला पुलिस की प्रतिनियुक्ति की। शाखा प्रबंधक असीमानंद से बताया कि मेरे शाखा में कुल एक लाख 86 हजार खाताधारक हैं, जिसमें जनधन योजना के 48 हजार खाताधारक हैं। इन दिनों जान की परवाह किए बिना उनकी सेवा में लगा हूं। प्रतिदिन पांच से छह सौ ग्राहकों को पेमेंट दी जाती है।

इधर दूसरी किस्त की राशि भी आ जाने से बेतहाशा भीड़ बढ़ गई है। मुखिया सीयासुनदरी देवी, संतोष कुमार, धर्मेंद्र कुमार, प्रमुख विनय कुमार यादव, समाज सेवी सुबोध सिंह आदि ने अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा कोराना महामारी दौरान बैंक पर लाकडाउन के अनुपालन की अपील की है।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

आर्थिक पैकेज 20 लाख करोड़

20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज कोरोना संकट के इस काल में देश को आत्म-निर्भर बनाने के संकल्प के साथ सभी पक्षों से बातचीत के बाद तैयार हुआ है : निर्मला सीतारमण

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज के बारे में कहा कि सभी पक्षों से बातचीत के बाद यह पैकेज तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्रोथ में तेजी लाने के लिए यह पैकेज जरूरी था। उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत आत्म–निर्भर भारत अभियान के साथ की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो एनपीए हैं और जो लॉकडाउन के चलते परेशानी में हैं उन्हें इस कदम से फायदा होगा 45 लाख एमएसएमई को राहत, एक साल तक कर चुकाने से मुक्ति मिलेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा 15 विभिन्न कदमों का जिक्र होगा जिसमें 6 एमएसएमई के लिए कदम उठाएंगे दो कदम एमएसएमई के फाइनेंस से जुड़ा है और 2 पीएफ से जुड़े हैं। एमएसएमई को 3 लाख करोड़ का कर्ज बिना किसी गारंटी का मिलेगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम व कुटीर उद्योग के लिए 20 हजार करोड़ का प्रावधान। वहीं 50000 करोड़ का फंड एमएसएमई में डाला जाएगा।

बजट के फौरन बाद कोरोना आ गया। बजट सेशन के बाद हमने गरीब कल्याण योजना के तहत 41 करोड़ खातों में पैसा पहुंचा था। जिनके पास राशन कार्ड नहीं था उन्हें भी राशन दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा मोदी सरकार लोगों से बातचीत और संवेदनशीलता में भरोसा रखती है और बजट के बाद तुरंत कोरोना का प्रकोप आ गया।

वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीएम ने सबसे पहला कदम देश के गरीबों को लेकर उठाया। एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीएम ने सबसे पहला कदम देश के गरीबों को लेकर उठाया। एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। आत्मनिर्भर भारत बनाने का उसने देश के लोगों में नई ऊर्जा भर दी है। लोग संकट में अवसर देख रहे हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज का लेखाजोखा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि कई मंत्रालयों की लंबी चर्चा के बाद पैकेज पर फैसला हुआ है। इस पैकेज के सहारे देश को आत्म निर्भर बनाना है। इसलिए इसे आत्म. निर्भर भारत अभियान कहा जा रहा है। हम जो भी योजनाओं का ऐलान करेंगे वो सीधे लोगों तक पहुंचेगे। गरीबों के खाते में सीधे पैसा पहुंच रहा है।

20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज में किसे क्या मिला? जानें- वित्त मंत्री की बड़ी बातें

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

बीते मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना संकट के बीच अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए कल 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का ऐलान किया था. इस पैकेज के बारे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विस्तार से जानकारी दे रही हैं. टैक्सपेयर्स को 31 मार्च 2021 तक टीडीएस कटौती में 25 फीसदी की राहत मिली है.

बता दें कि सरकार टीडीएस (TDS) के जरिये टैक्स जुटाती है. टीडीएस विभिन्न तरह के आय के स्रोत पर काटा जाता है. इसमें सैलरी, किसी निवेश पर मिले ब्याज या कमीशन आदि शामिल हैं.रियल एस्टेट के मामले में एडवाइजरी जारी होगा कि सभी प्रोजेक्ट्स को मार्च से आगे 6 महीने तक मोहलत दी जाए.डिस्कॉम यानी बिजली वितरण कंपनियों की मदद के लिए इमरजेंसी लिक्विडिटी 90,000 करोड़ रुपये दी जाएगी.

नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के लिए 30,000 करोड़ की विशेष लिक्विडिटी स्कीम लाई जा रही है. इससे नकदी का संकट नहीं रह जाएगा. एनबीएफसी को 45,000 करोड़ की पहले से चल रही योजना का विस्तार होगा. वहीं आंशिक ऋण गारंटी योजना का विस्तार होगा, इसमें डबल ए या इससे भी कम रेटिंग वाले एनबीएफसी को भी कर्ज मिलेगा.

ईपीएफ पर बड़ी राहत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार अब अगस्त तक कंपनी और कर्मचारियों की तरफ से 12 फीसदी. 12 फीसदी की रकम EPFO में जमा करेगी. इससे करीब 75 लाख से ज्यादा कर्मचारियों और संस्थाओं को फायदा मिलेगा. बता दें कि मार्च, अप्रैल और मई में भी सरकार ने ही कंट्रीब्यूट किया था.मतलब ये कि इस सुविधा को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया है.लेकिन इसके साथ कुछ शर्तें हैं. सरकार की इस ऐलान का फायदा सिर्फ उन्हीं कंपनियों को मिलेगा, जिनके पास 100 से कम कर्मचारी है और 90 फीसदी कर्मचारी की सैलरी 15,000 रुपये से कम है. यानी 15 हजार से ज्यादा तनख्वाह पाने वालों को इसका फायदा नहीं मिलेगा.कर्मचारियों का 12 फीसदी की जगह 10 फीसदी ईपीएफ कटेगा. हालांकि पीएसयू में 12 फीसदी ही ईपीएफ कटेगा.एमएसएमई सेक्टर की परिभाषा बदल दी गई.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि एमएसएमई यानी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की परिभाषा बदल दी गई है. इसमें निवेश की लिमिट में बदलाव किया गया है. 1 करोड़ निवेश या 10 करोड़ टर्नओवर पर सूक्ष्म उद्योग का दर्जा दिया जाएगा.इसी तरह 10 करोड़ निवेश या 50 करोड़ टर्नओवर पर लघु उद्योग का दर्जा दिया जाएगा. वहीं 20 करोड़ निवेश या 100 करोड़ टर्नओवर पर मध्यम उद्योग का दर्जा होगा.निर्मला सीतारमण ने बताया कि मौजूदा दौर में ट्रेड फेयर संभव नहीं है.200 करोड़ तक का टेंडर ग्लोबल नहीं होगा. यह एमएसएमई के लिए बड़ा कदम है.

इसके अलावा एमएसएमई को ई–मार्केट से जोड़ा जाएगा. सरकार एमएसएमई के बाकी पेंमेंट 45 दिनों के अंदर करेगी.वित्त मंत्री के मुताबिक 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज में से 3 लाख करोड़ एमएसएमई यानी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को जाएंगे. इनको बिना गारंटी लोन मिलेगा. इसकी समयसीमा 4 साल की होगी. इन्हें 12 महीने की छूट मिलेगी. ये ऑफर 31 अक्टूबर 2020 तक के लिए है.वित्त मंत्री के मुताबिक जो एमएसएमई तनाव में हैं उन्हें सबआर्डिनेट डेट के माध्यम से 20000 करोड़ की नकदी की व्यवस्था की जाएगी. बता दें कि एसएमई में लघु और मझोले कारोबार आते हैं.

वित्त मंत्री के मुताबिक एमएसएमई जो सक्षम हैं, लेकिन कोरोना की वजह से परेशान हैं, उन्हें कारोबार विस्तार के लिए 10,000 करोड़ के फंड्स ऑफ फंड के माध्यम से मदद दी जाएगी.वित्त मंत्री के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र को बैंकों से जुड़े सुधार, बैंकों के रिकैपिटलाइजेशन जैसे काम किए गए.वित्त मंत्री के मुताबिक 41 करोड़ जनधन अकाउंट होल्डर्स के खाते में डीबीटी ट्रांसफर किया गया है.वित्त मंत्री ने बताया कि 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को लेकर चर्चा में पीएम मोदी के अलावा कई विभागों और संबंधित मंत्रालय चर्चा में शामिल रहे.

कोरोना योद्धाओं के नाम पर फर्जी मानवाधिकार संगठन, पत्रकार संगठन एवं कई अन्य संस्था इन दिनों थोक के भाव में ऑनलाइन सम्मान पत्र बांट रही हैं

पड़ताल

डा. राजेश अस्थाना,

सम्मान पत्र के नाम पर कुछ सामाजिक संस्था कोरोना योद्धाओं के नाम पर सम्मान पत्र जारी कर रही हैं। सम्मान पाने वाले उसे बड़े गर्व से समाचार पत्रों में प्रकाशित करवा रहे हैं, साथ ही फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया पर पोस्ट कर खूब वाहवाही भी लूटी जा रही है। हमारे कई पत्रकार साथी हैं जिन्हें सम्मान पत्र का सर्टिफिकेट भेजा गया है। कुछ साथियों ने उस सम्मान को यह कहते हुये वापस कर दिया है कि उन्होंने ऐसा कोई कार्य नहीं किया है जिसके लिये उन्हें यह सम्मान दिया जाये। ऐसे उन पत्रकार साथियों का कहना है जिन्होंने उस सम्मान को वापस भेजा है, कोरोना योद्धा का सम्मान पाने के लिये डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिसकर्मी एवं सफाईकर्मियों अधिक हकदार हैं।

ऐसे सम्मान पत्र भेजने वाली संस्थाओं के बारे में जब हमने पड़ताल किया तब इस बात का खुलासा हुआ कि अधिकांश फर्जी संगठन पत्रकारों को ऑनलाइन यह सम्मान दे रही हैं

गिरिडीह के बगोदर के रहने वाले एक व्यक्ति, जो वर्तमान में मुंबई में एक टेंट हाउस के मैनेजर हैं, लगभग 150 से अधिक

> ***कोरोना योद्धा के नाम पर ऑनलाइन सम्मान पत्र का धंधा, कोरोना से जंग लड़ रहे योद्धाओं डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिसकर्मी, सफाईकर्मियों के साथ पत्रकारों को भी सम्मानित किया जा रहा है। देश भर में कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करने की होड़ मची है।***

आंचलिक पत्रकारों को यह सम्मान अबतक बांट चुके हैं। जब हमने उनसे पूछा कि आप यह ऑनलाइन कैसे तय करते हैं कि कोई पत्रकार कोरोना महामारी में क्या योगदान दे रहा है तो उनका जवाब था कि वह पत्रकार है कोरोना को लेकर खबरें बना रहा है कोरोना को लेकर उसके द्वारा प्रकाशित खबर को देख कर उसके नाम पर सम्मान पत्र हम जारी कर देते हैं। जब हमने उस से पूछा कि आप को किसने अधिकृत किया है कि आप यह तय करें कौन कोरोना योद्धा है और कौन नहीं, तो इसका उसके पास कोई जवाब नहीं था।

मुंबई के पत्रकार साथियों से पता करने पर पता चला कि वह इस तरह के कई फर्जी अवार्ड फंक्शन का आयोजन करता आया है, और उस अवार्ड फंक्शन के नाम पर उसे अच्छी कमाई भी हो जाती है, उसके बावजूद उसके संस्था की खबर को मुंबई के अखबारों में भी स्थान नहीं मिल पाता था अब वह पत्रकारों को सम्मान पत्र बांट कर अपने संस्था के नाम का प्रचार प्रसार कर रहा है। दिल्ली से हमारे पत्रकार साथी पवन भार्गव का कहना है कि केवल दिल्ली में ही कोरोना काल में दर्जन भर फर्जी पत्रकार संगठन बन गये हैं, जो पत्रकारों को मुफ्त सम्मान पत्र देने का लालच देकर पत्रकारों को अपने संगठन से जोड़ रहे हैं।

झारखण्ड के रामगढ़ और हजारीबाग जिला में लगभग 150 पत्रकारों को उन फर्जी संगठनों द्वारा यह सम्मान पत्र जारी किया गया है। पटना, मुजफ्फरपुर, बेतिया और मोतिहारी भी इससे अछूता नहीं है। सबसे हास्यास्पद है कि सम्मान पत्र पाने वाले आंचलिक पत्रकार उस सम्मान पत्र को समाचार पत्रों में प्रकाशित करवा रहे हैं और यह दिखाने का भी प्रयास कर रहे हैं कि कोरोना महामारी को लेकर उन्हें यह सम्मान मिला है जो उनके लिये गौरवान्वित करने वाली बात है।

कोरोना महामारी को लेकर देश भर में मीडियाकर्मी अग्रिम पंक्ति में हैं कोरोना योद्धा के रूप में इस बात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है। देश के विभिन्न राज्यों में दर्जनों पत्रकार जो कोरोना पीड़ितों की खबर को कवर कर रहे थे वे पॉजिटिव पाये गये हैं। परन्तु वे भी इस तरह के सैंकड़ो फर्जी संगठनों द्वारा बांटे जा रहे सम्मान पत्र पाने के लिये लालायित नहीं नजर आये।

कोरोना महामारी को कवर करने वाले पत्रकारों को उनके कार्यों के लिये जिला स्तर पर जिलाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी अगर सम्मानित करते, राज्य सरकार के मंत्री एवं पदाधिकारी राज्य स्तर पर चिन्हित कर एक मानक तय कर ऐसा करते तो भी बात समझ में आती। पत्रकारों को सम्मान पत्र वे जारी कर रहे हैं जिनके संस्थाओं के बारे में पत्रकार तपतीश करेंगे तो यह पायेंगे कि अधिकांश उनमें ऐसे हैं जो अपनी संस्था की आड़ में कई गलत कार्यों में संलिप्त हैं। जिन पत्रकारों को ऐसे फर्जी संस्थाओं की जांच कर खबरें बनानी चाहिये थी वे उनके ऑनलाइन सम्मान पत्र से फूले नहीं समा रहे हैं। पत्रकारों को भी इन दिनों अब छपास रोग लग गया है, खबरें बनाने वाले अब खुद खबरों की सुर्खियां बनना चाहते हैं। ऐसे सम्मान पत्र पाने वाले पत्रकारों को देख कर आप यह आसानी से तय कर सकते हैं कि उनकी पत्रकारिता का उद्देश्य और लक्ष्य क्या है।

पीएम केयर्स फंड से कोरोना से जंग के लिए 3100 करोड़ रुपए जारी, 2000 करोड़ से वेंटीलेटर तो 1000 करोड़ प्रवासी मजदूरों के कल्याण पर किए जाएंगे खर्च

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

पीएम केयर्स फंड से कोरोना से जंग के लिए 3100 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे। इस राशि से 2000 करोड़ से वेंटीलेटर खरीदे जाएंगे जबकि 1000 करोड़ प्रवासी मजदूरों के कल्याण पर खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस मद में निर्धारित 3100 करोड़ में शेष 100 करोड़ की राशि कोरोना वैक्सीन विकसित करने पर खर्च की जाएगी।

पीएम केयर्स फंड से प्रवासी मजदूरों के लिए 1000 करोड़

प्रवासी मजदूरों की समस्याओं को लेकर तेज हो रही राजनीति के बीच सरकार ने पीएम केयर्स फंड से उनके आवागमन, खानपान, चिकित्सा जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। राज्यों को दिया गया यह फंड जिलाधिकारी और निगम आयुक्त के अधीन रहेगा। राज्यों में सरकारी की तरफ से चलाए जा रहे कोविड स्पेशल हॉस्पिटल में भारत में निर्मित 50 हजार वेंटिलेटर की आपूर्ति के लिए भी दो हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। जबकि वैक्सीन के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये दिए गए हैं। वैक्सीन विकास के लिए जारी फंड का उपयोग प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार की निगरानी में होगा।

मैट्रिक परीक्षा में जिले के टॉपर्स को ब्रावो फाउंडेशन जल्द करेगी सम्मानित - राकेश पांडेय

अनुकरणीय पहल

सम्राट, संवाददाता

वैश्विक महामारी कोरोना से जूझ रहे पूर्वी चंपारण को जिले के मैट्रिक परीक्षार्थियों ने अपने कड़े मेहनत व लगन के बदौलत बेहतर परिणाम लाकर चम्पारण का नाम रौशन कर गौरवान्वित करने का काम किया है।जिससे खुश होकर ब्रावो फाउंडेशन ने जिले के टॉपर्स को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।इसके तहत जिले के छह टॉप साईकिल देकर सम्मान छात्रों को को एक एक दिया जाएगा वही जिले के टॉप तीन छात्राओं के नाम 11–11 हजार रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

> **पूर्वी चंपारण के टॉप छह छात्र को मिलेगा साईकिल तो वही टॉप तीन छात्राओं के नाम होगा 11 हजार रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट**

ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक व ब्रावो फार्मा के चेयरमैन राकेश पांडेय ने लंदन से दूरभाष पर बताया कि मैं भी 1992 में स्थानीय मंगल सेमिनरी से मैट्रिक परीक्षा में बमुश्किल फर्स्ट डिवीजन से उतीर्ण हुआ था और आज जब छात्रों को उनके मेघा के बदौलत टॉप करते हुए सुना तो ह्रदय प्रफुल्लित हो गया और उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया।

श्री पांडेय ने बताया कि लॉक डाउन के समाप्त होते ही सभी टॉप छः छात्रों एवम तीन छात्राओं को स्थानीय ब्रावो फाउंडेशन के कार्यालय में ससम्मान बुलाकर सम्मानित किया जाएगा जिसकी तिथि की घोषणा लॉक डाउन समाप्त होने पर कर दी जाएगी।

ज्ञात हो कि ब्रावो फाउंडेशन लगातार चम्पारण में जनसेवा करती चली आ रही है कभी जरूरत मंदो को सुखा खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रही हैं तो वही पिछले 11 दिनों से लगातार एन एच 28 सरोत्तर में प्रवासी मजदूरों को तैयार भोजन उपलब्ध कराने के साथ साथ जिले के प्रत्येक संगरोधी केंद्रों पर मास्क व पी पी ई किट उपलब्ध कराया जा रहा है एवम शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थान पर सैनिटाइजर की भी व्यवस्था फाउंडेशन के द्वारा की जा रही हैं।

अनलॉकडाउन-1 को लागू करने के लिए राज्यों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू की, दिल्ली सरकार छूट को लागू करेगी तो बंगाल में 15 जून तक लॉकडाउन बढ़ाने का एलान

रिंकू गिरी,
संवाददाता

लॉकडाउन के अगले चरण जिसे केंद्र सरकार ने अनलॉकडाउन–1 का नाम दिया है को लागू करने के लिए राज्यों ने अपनी–अपनी तैयारियां शुरू कर दीं हैं। कई राज्यों ने जहां केंद्र द्वारा जारी गाइडलाइंस को पूरी तरह लागू करने का मन बनाया है वहीं कई राज्य अपनी तरफ से कुछ उपाय करने के पक्ष में हैं। दिल्ली सरकार ने कहा है कि लॉकडाउन के पांचवें चरण के लिए केंद्र सरकार ने जो भी छूट दी है दिल्ली सरकार उन सभी को लागू करेगी। जिन मामलों में दिल्ली सरकार ने दिशा निर्देश तय करने हैं, इन पर शीघ्र काम शुरू होगा। सरकार का साफ कहना है के अधिक दिनों तक लॉकडाउन जारी नहीं रखा जा सकता। होटल रेस्टोरेंट मॉल आदि सभी कुछ खुलेंगे। कोरोना से बचाव को लेकर सरकार की ओर से सख्त दिशा निर्देश जारी होंगे।

पंजाब ने लॉकडाउन 30 जून तक बढ़ाया

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी केंद्र के दिशा–निर्देश के अनुसार लॉकडाउन 30 जून तक बढ़ा दिया है। खाद्य विभाग को राशन किट में मास्क भी शामिल करने को कहा। पंजाब सरकार कुछ और छूट दे सकती है और ट्रेसिंग व ट्रैकिंग के लिए होम सद्दवलांस एंड कोविड फुट सोल्जर एप लॉन्च करेगी।

लॉकडाउन बढाने की पक्षधर है उत्तराखंड सरकार

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार इस बात की पक्षधर रही है कि लॉकडाउन बढ़ाया जाना चाहिए। इतना जरूर है कि स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए कुछ रियायतें दी जा सकती हैं। कहा कि हम राज्य में सीमित पर्यटन के पक्षधर हैं। चारधाम यात्रा को लेकर केंद्र की गाइडलाइंस के पूर्ण अध्ययन के बाद रविवार को निर्णय होगा।

बंगाल में 15 जून तक लॉकडाउन बढ़ाने का एलान

बंगाल सरकार ने भी शनिवार को राज्य में लॉकडाउन को 15 जून तक बढ़ाने का एलान किया है। राज्य सचिवालय नवान्न की ओर से देर शाम जारो आदेश में लॉकडाउन के दौरान राज्य में पाबंदियों से कई क्षेत्रों में छूट की घोषणा की गई है। इसके तहत कंटेनमेंट जोन या कैटेगरी ए इलाकों में लॉकडाउन पूरी तरह जारी रहेगा। क्लियर एरिया यानी कैटेगरी सी में सभी गतिविधियों की इजाजत होगी, वहीं बफर एरिया यानी कैटेगरी बी में भी सभी गतिविधियों की इजाजत होगी। प्रभावित इलाकों के बाहर कुछ और गतिविधियों की इजाजत होगी।बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक जून से धाद्दमक स्थलों को खोलने और जून के दूसरे हफ्ते से 70 फीसद कर्मचारियो की उपस्थिति के साथ राज्य सरकार के कार्यालयों में कामकाज शुरू करने जैसे कई तरह की छूट देने की शुक्रवार को ही घोषणा कर दी थी।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

कोरोना वायरस के चलते देश भर में लागू लॉकडाउन के पहले पांच हफ्तों में कथित तौर 12 लोग पुलिस की बर्बरता का शिकार होकर गंवा बैठे अपनी जान

न्यूज टुडे खोज खबर

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

कोरोना वायरस के चलते देश भर में लागू लॉकडाउन के पहले पांच हफ्तों में कथित तौर 12 लोग पुलिस की बर्बरता का शिकार हुए और अपनी जान गंवा बैठे. यह दावा एक गैर सरकारी संगठन कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव (सीएचआरआई) की रिपोर्ट में किया गया है. कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव (सीएचआरआई) द्वारा की गई स्टडी में मीडिया रिपोर्टों के आधार पर 25 मार्च (लॉकडाउन के पहले दिन) से 30 अप्रैल तक ऐसी मौतों को ट्रैक किया गया.

रिपोर्ट में दावा किया गया कि सार्वजनिक तौर पर पुलिस द्वारा की गई बर्बरता को ना सह पाने और अपमानित महसूस करने की वजह से 12 लोगों ने आत्महत्या कर ली. स्टडी के अनुसार उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में तीन मौतें हुई. मध्य प्रदेश में दो मौतें हुई, जबकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब में एक–एक मौत हुई.

मरने वाले 12 लोगों की पहचान उत्तर प्रदेश के लवकुश, मोहम्मद रिजवान, रोशन लालय मध्य प्रदेश से बंसी कुशवाहा और टिबू मेदा, आंध्र प्रदेश के शेख मोहम्मद गोहाउस, वीरभद्रैया और पेद्दादा श्रीनिवास राव, महाराष्ट्र से सगीर जमील खान, तमिलनाडु के अब्दुल रहीम, पश्चिम बंगाल के लाल स्वामी और पंजाब के भूपिंदर सिंह के तौर पर की गई.

सार्वजनिक रूप से पीटे जाने और अपमान महसूस करने के बाद आत्महत्या

सीएचआरआई की स्टडी में आगे कहा गया है कि भूपिंदर सिंह, पेद्दा श्रीनिवास राव और रोशन लाल ने सार्वजनिक रूप से मारे जाने और अपमान महसूस करने के बाद आत्महत्या की. सीएचआरआई के प्रोग्राम हेड (पुलिस रिफॉर्म्स) देविका प्रसाद ने इस मामले की स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा, 'मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि लॉकडाउन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई के बाद लोगों की मौत हुई है. इन मौतों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए.'

प्रसाद ने कहा कि सीएचआरआई का मानना है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) इन गंभीर आरोपों की 'निष्पक्षता और जवाबदेही के लिए प्रभावी तरीके' से जांच करेगा. उन्होंने कहा 'यह एक और संकेत है कि अदालत और अन्य एजेंसियों को' लॉकडाउन लागू करने' में पुलिस को जवाबदेह रखने की आवश्यकता है.'

रिपोर्ट किए गए 12 मामलों में से दो में, शामिल पुलिस कर्मियों को ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया था और मैजिस्ट्रियल जांच का भी आदेश दिया गया था. ये दो मामले बांसी कुशवाहा (मध्य प्रदेश) और शेख मोहम्मद गोशाला (आंध्र प्रदेश) के हैं. स्टडी के अनुसार संबंधित अधिकारियों ने लाल स्वामी, मोहम्मद रिजवान, सगीर जमील खान और टिबू मेदा की मौतों के मामलों में किसी भी पुलिस की पिटाई से इनकार किया है. इसके अलावा, पश्चिम बंगाल से आए लाल स्वामी की मृत्यु के बारे में, पुलिस ने दावा किया कि हृदयाघात के कारण उनकी मृत्यु हो गई क्योंकि वह पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित थे.

हावड़ा के पुलिस आयुक्त ने क्या कहा?

हावड़ा के पुलिस आयुक्त कुणाल अग्रवाल ने मीडिया को बताया कि 'यह प्रेस द्वारा गलत रिपोर्टिंग का मामला है.' सीएचआरआई रिपोर्ट के अनुसार इसी तरह उत्तर प्रदेश पुलिस ने इन दावों का भी खंडन किया कि मोहम्मद रिजवान की मौत लॉकडाउन लागू करने के लिए पुलिस की कार्रवाई के कारण हुई थी. अंबेडकरनगर के पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने कहा था, 'जैसा कि मीडिया में रिपोर्ट में कहा गया है उस परिप्रेक्ष्य में सबूतों के आधार पर ऐसा कहीं नहीं पाया गया कि रिजवान पर डंडों से हमला किया गया था.'

मध्य प्रदेश के मूल निवासी टिबू मेदा की मृत्यु पर जिला कलेक्टर ने मीडिया को बताया, 'जब उन्होंने 'पुलिस वाहन को सायरन के साथ' आते हुए देखा तो उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट के कारण चली गई.' सीएचआरआई ने बताया इस तरह के दावे के बावजूद, मेधा के परिवार को राज्य के अधिकारियों द्वारा 20,000 रुपये का मुआवजा दिया गया था.

महाराष्ट्र पुलिस ने भी खारिज किया दावा

इस बीच महाराष्ट्र पुलिस ने सगीर जमील खान के निधन को 'आकस्मिक मृत्यु' के रूप में दर्ज किया. इस मामले पर पीटीआई से बात करते हुए, पुलिस उपायुक्त (क्षेत्र 1) संग्राम सिंह निशंदर ने कहा था कि सगीर जमील खान की मेडिकल रिपोर्ट में मौत का कारण 'दिल का बढ़ना' बताया गया है और शरीर पर 'बाहरी या आंतरिक चोट'' नहीं थी.'

इन 12 मौतों के अलावा, विभिन्न आरोपों में पकड़े गए तीन लोगों ने भी लॉकडाउन के दौरान पुलिस हिरासत में अपनी जान गंवा दी. वे आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से थे. इन तीन मामलों में से दो पीड़ित लॉकडाउन से संबंधित अपराधों के लिए हिरासत में थे. इस बीच सीएचआरआई ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को इन सभी 15 शहरों में गहन जांच शुरू करने के लिए एक याचिका भेजी है.

बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने मैट्रिक परीक्षा के बिहार टॉपर हिमांशु राज से मोबाइल फोन पर बातचीत कर मिलने की इच्छा जाहिर की

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने मैट्रिक परीक्षा के बिहार टॉपर हिमांशु राज से मोबाइल फोन पर बातचीत की है. बुधवार की सुबह अचानक हिमांशु राज के मोबाइल पर बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे का फोन आया. फोन हिमांशु ने ही रिसीव किया. हिमांशु ने फोन रिसीव करते हुए जैसे ही 'हलो' कहा– उधर से डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने अपना परिचय देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी. डीजीपी ने हिमांशु के पारिवारिक स्थिति के बारे में भी जानकारी ली तथा उन्होंने आश्वासन दिया कि कभी भी किसी भी तरह की कोई जरूरत हो, तो वह सीधे उनके मोबाइल पर फोन कर सकता है.

सरकारी स्कूल में पढ़ा है हिमांशु

डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे के फोन के बाद हिमांशु ने कहा कि उसे बहुत खुशी हुई की खुद डीजीपी सर ने फोन करके उसे बधाई दी. बता दें कि हिमांशु बिहार टॉपर हुआ है तथा 96: से अधिक अंक हासिल किया है. रोहतास जिला के नटवार स्थित राजकीय कृत उच्च विद्यालय तेनुअज का वो छात्र है.

डीजीपी का फोन आने से गदगद है हिमांशु का परिवार

हिमांशु की सफलता पर गांव में खुशी का माहौल है. ऐसे में डीजीपी का फोन आने से हिमांशु का हौसला और बढ़ गया है. साथ ही उनका परिवार भी खुश है. हिमांशु ने कहा कि जिंदगी में कभी सोचा भी नहीं था कि डीजीपी खुद फोन करेंगे, लेकिन आज यह सपना साकार हो गया. हिमांशु ने बताया कि डीजीपी सर ने अपना मोबाइल नंबर भी दिया तथा कहा कि कभी कोई जरूरत हो तो बेझिझक फोन कर सकते हैं. डीजीपी ने हिमांशु से उसके परिवार के बारे में भी जानकारी ली. डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने फोन पर हिमांशु को कहा कि तुमने शाहाबाद का नाम रोशन किया है. अगली बार जब भी कभी रोहतास आएंगे तो हिमांशु के घर जरूर पहुंचेंगे. डीजीपी ने हिमांशु से मिलने की इच्छा जाहिर की.

नोटः हमारे यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र- छात्राओं को फिल्म में काम मिलने की गारंटी है।
Acting (6 Months) | Film Direction (6 Months) | Video Editing (Months)
Cinematography (Camera & Light) | Fashion Photography & Videography
Sound Recording & Audio Engineering | Creative Writing (Dialogue, Script)
TV Journalism, News Reading & Anchoring
P.R. Advt. & Event Management
1- Yr. Deploma Courses After 10+2
1- Yr. P.G. Deploma Courses After Graduation
Admission Notice
Chetan Institute of Film & Television
Run & Managed by : Chetan(A Social Cultural & Educational organization, Regd. No.: 960/1999-2000)
प्रधान कार्यालयः अष्टभुजा निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401.(बिहार)
इंस्टीट्यूटः अशोक पब्लिक स्कूल, सिंघिया हिवन, मोतिहारी-845401.(बिहार)
मो नं: 9471005272/9955447675 email: newstodayhindimagazine@gmail.com newstodaymth@gmail.com

केंद्रीय विवि भूमि अधिग्रहण में घोटाला की जांच करेगी आर्थिक अपराध इकाई, कई वरीय पदाधिकारी पर लटकी तलवार

घोटाला

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

पूर्वी चंपारण जिला के केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारत नेपाल सीमा पर सड़क परियोजना में भूमि अधिग्रहण में हुए करोड़ो की घोटाला की जांच अब आर्थिक अपराध इकाई पटना करेगा। आर्थिक अपराध इकाई पटना एसपी ने कांड से सम्बंधित सभी संचिकाओ के साथ कांड के अनुसंधानक को आज उपस्थित होने का निर्देश दिया है। आर्थिक अपराध इकाई के जांच शुरू होने की खबर पर कई अधिकारियों की बढ़ी बेचौनी। तत्कालीन एसपी उपेंद्र शर्मा ने घोटाले की जांच के आर्थिक अपराध इकाई को भेजा गया था।

पूर्वी चंपारण जिला में केंद्रीय विश्वविद्यालय भूमि अधिग्रहण व भारत –नेपाल सीमा पर सड़क परियोजना में फर्जी एलपीसी व भूमिधारक बनकर लगभग 6 करोड़ 22 लाख का घोटाला हुआ था। ममला उजागर होने के प्राथमिकी दर्ज होने के दूसरे दिन ही एक अटर्नी के गाड़ी से करोड़ो रुपया नगद भी बरामद हुआ था। मामले को लेकर तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी अजित कुमार द्वारा नगर थाना कांड संख्या 824/18 व 875/18 दर्ज कराया गया था। जिसमे तत्कालीन मोतीहारी सीओ सहित 15 प्रथमिकी व अप्राथमिकी अभियुक्तों पर कांड सत्य पाते हुए करवाई की जा रही है। वही तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी पर रिपोर्ट टू में दिए गए विन्दुओ पर जांच चल रहा है।

कांड के अनुसंधानक अरेराज डीएसपी ज्योति प्रकाश ने मंगलवार को जिला भूअर्जन कार्यालय पहुचकर कई फाइलों की जांच किया गया। वही प्रथमिकी व अप्राथमिकी अभियुक्तों की वर्तमान पता का सत्यापन किया गया। डीएसपी ने बताया कि आर्थिक अपराध इकाई पटना के पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त कांड की संचिका तलब किया गया है।

तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी के प्रथमिकी में नामजद ललन पटेल कांड सत्यापन में निकले जिला के अशोकपकडी गांव के सत्यभूषण तिवारी उर्फ सुमन तिवारी पिता हरिशंकर तिवारी। डीएसपी ने बताया कि 3 करोड़ 17 लाख 40 हजार 800 रुपया फर्जीवाड़ा के नामजद अभ्युक्त ललन पटेल,प्रमोद मिश्र,राजेन्द्र साह, जयकिशन तिवारी, अरबिंद सिंह, निकी तिवारी व गुलशन तिवारी पर कांड सत्य पाया गया है। वही अप्राथमिकी अभ्युक्त भूअर्जन कार्यालय कर्मी शारदानन्द सिंह,राजस्व कर्मचारी उमेश सिंह,रामनाथ पासवान,जटा शंकर सिंह अमीन,फर्जी रैयत सुखदेव साह, नाजिर सुधीर कुमार सिंह व तत्कालीन मोतीहारी सीओ चौधरी बसंत सिंह पर ममला सत्य पाया गया है। वही तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी पर अभी जांच चल रहा है।

राजस्थान और यूपी के बाद अब बिहार में भी आने वाला है टिड्डियों का आतंक

रिंकू गिरी,
संवाददाता

करोना महामारी के चलते पहले ही किसान परेशान हैं और अब ऐसे में बिहार के किसनों के सामने टिड्डी की मुसीबत भी आने वाली है. राजस्थान और यूपी के बाद अब बिहार में भी टिड्डियों का आतंक आने वाला है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि अगले दो दिनों में सूबे में टिड्डियों का हमला हो सकता है. टिड्डियों का ये आतंकी दल राजस्थान पार कर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर चुका है. कृषि वैज्ञानिकों का कहना है अगर उत्तर प्रदेश में इसको इसका कोई उपाय नहीं किया गया तो ये टिड्डी दल दो दिनों में बिहार की सीमा में प्रवेश कर जाएगा.

जल्द होगी एडवाइजरी जारी

दूसरे राज्यों में टिड्डियों ने जो तबाही कि है उसको देखते हुए बिहार में इसको लेकर एडवाइजरी जारी की जाएगी. बिहार में मक्का, सब्जियों, आम और लीची की फसल इस समय खेतों और बागीचे में है ऐसे में इनको सबसे अधिक नुकसान होगा. कृषि विभाग जल्द ही कीट के प्रबंधन को लेकर एडवाइजरी जारी कर देगा ताकि बड़े पैमाने पर बगीचों और खेतों में कीटनाशक का छिड़काव हो सके .

किसान टिड्डी दल को देखते ही दें सूचना

किसानों को टिड्डियों को लेकर अलर्ट रहने को कहा गया है और किसानों को टिड्डियों को देखते ही कृषि विभाग को जानकारी देने को कहा गया है. टिड्डीयां जिस भी फसल पर बैठती हैं उसको पूरी तरह नष्ट कर देती हैं. टिड्डी दल में करोड़ों की संख्या में लगभग दो ढाई इंच लंबे कीट होते है जो कुछ ही घंटे में किसान के खेत को साफ कर देते हैं.

बिहार में भी आठ जून से खुल जाएंगे धार्मिक, आराधना स्थल और शॉपिंग मॉल्स, तीन फेज में बंटी नयी गाइडलाइन का बिहार पूरी तरह से अनुपालन

सम्राट, संवाददाता

बिहार में भी धार्मिक, आराधना स्थल और शॉपिंग मॉल्स आठ जून से खुल जाएंगे। गृह मंत्रालय द्वारा देर शाम शनिवार को लॉकडाउन की नयी गाइडलाइन का ही बिहार पूरी तरह से अनुपालन करेगा। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने कहा कि केंद्र सरकार के गाइडलाइन से अलग जाने का कोई प्रश्न नहीं है।

केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार आठ जून से होटलों को भी खोला जाना है, इसलिए उक्त तारीख से बिहार में होटल व रेस्टोरेंट भी पूर्व की तरह खुल जाएंगे। वैसे यह व्यवस्था रात नौ बजे तक ही रहेगी। रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक इन्हें बंद रखा जाएगा।

केंद्र सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार, कंटेनमेंट जोनों के बाहर फेज वाइज राहतें दी जाएंगी। पहले फेज में 8 जून से धार्मिक स्थल और सार्वजनिक पूजा स्थल, होटल, रेस्टोरेंट और अन्य आतिथ्य सेवाएं और शॉपिंग मॉल्स खोले जाएंगे, लेकिन इसके साथ कई तरह की शर्तें भी लागू

पहला फेज में ये सब खुलेंगे

इसमें आठ जून के बाद धार्मिक स्थल, इबादत की जगहें, होटल, रेस्टोरेंट और हॉस्पिटैलिटी से जुड़ी सेवाएं, शॉपिंग मॉल्स शर्तों के साथ खोले जाएंगे।

दूसरा फेज ये सब खुलेंगे

स्कूल, कॉलेज, एजुकेशन, ट्रेनिंग और कोचिंग इंस्टिट्यूट खुल सकेंगे लेकिन इनके बारे में राज्य सरकारें स्कूलों और बच्चों के माता–पिता से बात करने के बाद ही कोई फैसला लेंगी। हालांकि जुलाई में ही तय होगा कि स्कूल खोले जानें हैं या नहीं।

तीसरा फेज में मिलेंगी ये सुविधाएं

इस फेज में इंटरनेशनल फ्लाइटों, मेट्रो रेल सेवाओं, सिनेमा हॉल, जिम, स्वीमिंग पूल, एंटरटेनमेंट पार्क, थिएटर, बार, ऑडिटोरियम, असेंबली हॉल और इनके जैसी बाकी जगहों को आम लोगों के लिए खोने जाने की बात कही गई है। इसी चरण में सामाजिक, राजनीतिक रैलियां, स्पोर्ट्स इवेंट, अकादमिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक समारोह और बाकी बड़े जमावड़े शुरू किए जाने की बात है। वैसे इन्हें शुरू करने का फैसला हालात का जायजा लेने के बाद ही होगा।

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने कैच-अप नामक एक और कॉलिंग एप्लीकेशन लॉन्च किया, एक बार में 8 यूजर्स ग्रुप में कर सकते है वीडियो कॉल

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने कैच–अप नामक एक और कॉलिंग एप्लीकेशन लॉन्च किया है. इस ऐप के जरिए एक बार में 8 यूजर्स ग्रुप में वीडियो कॉल कर सकते हैं. कैचअप ऐप को फेसबुक की नई प्रोडक्ट एक्सपेरीमेंट (एनपीई) टीम ने बनाया है. इस ऐप की खासियत है कि यह यूजर्स को पहले ही जानकारी दे देता है कि अन्य यूजर्स वीडियो कॉल के लिए उपलब्ध हैं या नहीं. साथ ही इस ऐप में लॉग–इन करने के लिए फेसबुक अकाउंट की जरूरत नहीं पड़ती है. इसके अलावा यह ऐप यूजर्स को कॉल्स मर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है.

कैच–अप ऐप को अभी अमेरिका में टेस्ट किया गया है. इसे आईओएस और एंड्रॉयड के लिए लॉन्च किया जा चुका है. नया प्लेटफॉर्म आपके फोन में लिस्टेड मौजूदा कॉन्टैक्ट पर काम करता है और यूजर्स को अलग से फेसबुक अकाउंट की जरूरत नहीं है. वीडियो कॉल करने के लिए यूजर्स को ऐप ओपन करना होगा. इसके बाद क्रिएट कॉल के ऑप्शन पर जाकर अपनी कॉन्टैक्ट लिस्ट में से अन्य यूजर्स को चुनें. उसके बाद क्रिएट कॉल पर क्लिक करके वीडियो कॉल सकते हैं.

एक साथ 8 लोगों को कर सकते हैं वीडियो कॉल

कैच–अप के जरिए एक साथ 8 यूजर्स ग्रुप में वीडियो कॉल कर सकते हैं. यह ऐप यूजर्स को पहले ही जानकारी दे देता है कि अन्य यूजर्स वीडियो कॉल के लिए उपलब्ध हैं या नहीं. इसके अलावा यह ऐप यूजर्स को कॉल्स मर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है.

बता दें कि पिछले महीने फेसबुक ने मैसेंजर ऐप में नया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग फीचर जोड़ा था. मैसेंजर रूम्स से एक साथ 50 लोग से असीमित समय के लिए वीडियो कॉलिंग कर सकेंगे. मैसेंजर रूम्स के इस्तेमाल के लिए फेसबुक अकाउंट होना जरूरी नहीं है. फेसबुक मैसेंजर रूम्स में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इनेबल्ड वर्चुअल बैकग्राउंड होगा. साथ ही इसमें कई वर्चुअल रियलिटी इफेक्ट्स भी मिलेंगे.

देश भर में 1 जून से 200 यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू, बिहार में 22 ट्रेनों का परिचालन, स्टेशन पर एंट्री और निकासी के गेट तय

सुनील चौधरी,
संवाददाता,

देश भर में 1 जून से 200 यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू हो रहा है जिसमें से 22 ट्रेनों का परिचालन बिहार से किया जाएगा. इन ट्रेनों में से राजधानी और सम्पूर्ण क्रांति पटना से चलेगी, लेकिन साथ ही कई ऐसी ट्रेने हैं जो पटना से होकर गुजरेंगी और पटना से भी इन ट्रेनों में यात्री चढ़ेंगे और उतरेंगे. इसे लेकर पटना जंक्शन पर यात्रियों की होने वाली भीड़ को देखते हुए कई तरह की तैयारियां की जा रही हैं, जिसमें यात्रियों की एंट्री और निकासी के साथ–साथ सेनेटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग पर काम किया जा रहा है.

स्टेशन पर एंट्री और निकासी के गेट तय

पटना जंक्शन पर यात्रियों की एंट्री और निकासी गेट नंबर 3 से होगी. इसी रास्ते से लोग ट्रेन तक जाएंगे और बाहर भी यहीं से आएंगे. हालांकि भीड़ अगर अधिक हुई तो आवश्यकता पड़ने पर स्केलेटर के पास वाले गेट नंबर 4 से भी निकासी कराई जाएगी. यात्रियों से डेढ़–दो घंटा पहले स्टेशन आने का अनुरोध किया गया है. ऑटोमेटिक थर्मल इमेजिंग कैमरा से यात्रियों की ऑटोमेटिक थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी. कैमरे से एक साथ 20 लोगों की स्क्रीनिंग होगी.

यात्रियों के लिए बनाए गए ये नियम

हनुमान मंदिर के सामने से ही यात्रियों को मास्क के साथ व्यक्तिगत दूरी का पालन करना होगा. पोर्टिको से पहले लगेज सेनेटाइज होंगे. मेडिकल टीम और टीटीई की उपस्थिति में छह काउंटरों पर मैनुअल स्क्रीनिंग होगी, मोबाइल में आरोग्य सेतु एप है या नहीं, यह भी चेक होगा. जिन यात्रियों ने अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड नहीं किया होगा, उन्हें ट्रेन चलने से पहले इसे डाउनलोड करना होगा. सभी यात्रियों के लिए कॉन्कोर्स में डिस्टेंस बनाकर बैठने की व्यवस्था रहेगी. आखिर में दोबारा सेनेटाइज कर सभी यात्रियों को ट्रेन में प्रवेश दिया जाएगा.

बिहार से चलने वाले ट्रेनों की पूरी लिस्ट

01061,01062 लोकमान्य तिलक टर्मिनल दरभंगा पवन एक्सप्रेस, 02295,02296 दानापुर बेंगलुरू संघमित्रा एक्सप्रेस, 02392,02391 नई दिल्ली राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस, 02393, 02394 नई दिल्ली राजेन्द्रनगर टर्मिनल संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, 04009,04010 आनंदविहार टर्मिनल बापूधाम मोतिहारी चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस, 02791,02792 दानापुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस, 08183,08184 टाटा–दानापुर एक्सप्रेस, 09165,09166 अहमदाबाद दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस, 03201,03202 पटना लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, 02553,02554 सहरसा नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस, 02141,02142 लोकमान्य तिलक टर्मि. नल –पटना एक्सप्रेस, 02557,02558 मुजफ्फरपुर आनंदविहार टर्मिनल सप्तक्रांति एक्सप्रेस, 05273,05274 रक्सौल आनंदविहार टर्मिनल सत्याग्रह एक्सप्रेस, 04673,04674 अमृतसर जयनगर शहीद एक्सप्रेस, 04649,04650 अमृतसर जयनगर सरयू यमुना एक्सप्रेस, 02149, 02150 दानापुर पूणे एक्सप्रेस, 02947,02948 अहमहदाबाद– पटना अजीमाबाद एक्सप्रेस, 02213,02214 शालिमार–पटना दुरंतो एक्सप्रेस, 02023,02024 हावड़ा– पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस, 02365,02366 पटना– रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस, 09039,09040 बांद्रा टर्मिनल– मुजफ्फरपुर अवध एक्सप्रेस, 02565,02566 दरभंगा – नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस.

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

कोरोना वायरस लॉकडाउन के चलते २४ मार्च से फिल्म इंडस्ट्री पूरी तरह ठप, लॉकडाउन ४ के बाद धीरे-धीरे गाड़ी पटरी पर लौटने की उम्मीद, अक्षय कुमार निर्देशक आर बाल्की के साथ मुंबई के कमालिस्तान स्टूडियो में शूटिंग की

लॉकडाउन 4.0

रिंकू गिरी,
संवाददाता

कोरोना वायरस लॉकडाउन के चलते 24 मार्च से फिल्म इंडस्ट्री पूरी तरह ठप है। स्टूडियो खाली हैं। कैमरे बंद हैं और कलाकार घरों में बैठे हैं। मगर, लॉकडाउन 4 के बाद धीरे–धीरे गाड़ी पटरी पर लौटने की उम्मीद जताई जा रही है। इस बीच सोमवार को अक्षय कुमार निर्देशक आर बाल्की के साथ मुंबई के कमालिस्तान स्टूडियो में सेट पर नजर आये। इस दौरान सेट की तस्वीरें बता रही हैं कि लॉकडाउन के बाद परिस्थितयां बिल्कुल सामान्य होने तक सेट की तस्वीर कैसी रहने वाली है।

न्यूज टुडे टीम के अनुसार, अक्षय और आर बाल्की ने स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लॉकडाउन के बाद जिम्मेदारियों पर एक कैंपेन शूट किया है। इस दौरान टीम ने सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा, जिसकी झलक तस्वीरों में दिखाई भी दे रही है। सभी ने मास्क पहने। शरीर का तापमान चेक हुआ। सेट पर एंट्री से पहले लोगों को वहां मौजूदी सेनिटाइजर मशीन से गुजरना पड़ता था। साथ ही शूटिंग में कम से कम क्रू को शामिल किया गया।

बाल्की कहते हैं– लॉकडाउन के बाद हम सब की क्या जिम्मेदारियां होंगी, इसी विषय पर स्वास्थ्य मंत्रालय का यह एड है। हमें काम फिर शुरू करना है, मगर इसके साथ सुरक्षा का भी ध्यान रखना है। सोशल डिस्टेंसिंग, आउटडोर सेट को सेनिटाइज करना, संक्रमण रोकने वाली स्क्रींस और मास्क। हम इन प्रोटोकॉल्स के लिए चंद मिनटों में अभ्यस्त हो जाते हैं। बहुत कम क्रू और कड़ाई से प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

आर बाल्की इससे पहले अक्षय कुमार के साथ पैडमैन और मिशन मंगल जैसी फिल्में बना चुके हैं। बाल्की ने कहा कि प्रोड्यूसर अनिल नायडू ने हमें बताया कि कम से कम लोगों के साथ नियमों का पालन करते हुए कैसे शूटिंग की जा सकती है। इससे पहले हमने पुलिस से संबंधित अनुमति ले ली थी। हमें यह इसलिए करना पड़ा, क्योंकि एक जरूरी संदेश देना है।

लॉकडाउन के चलते कई फिल्मों की रिलीज भी टल गयी है। इनमें अक्षय की सूर्यवंशी भी शामिल है, जो 24 मार्च को ही रिलीज होने वाली थी। वो दिन, जब पहले लॉकडाउन का एलान किया गया था। हालांकि इससे पहले ही निर्देशक रोहित शेट्टी ने फिल्म की रिलीज स्थगित करने का एलान कर दिया था।

सोनू सूद से लोग सिर्फ घर वापस जाने के लिए ही नहीं, कोई दारू के लिए तो कुछ ऐसे भी हैं जो गर्लफ्रेंड को लेकर कर रहे हैं अजीब डिमांड

अनुकरणीय पहल

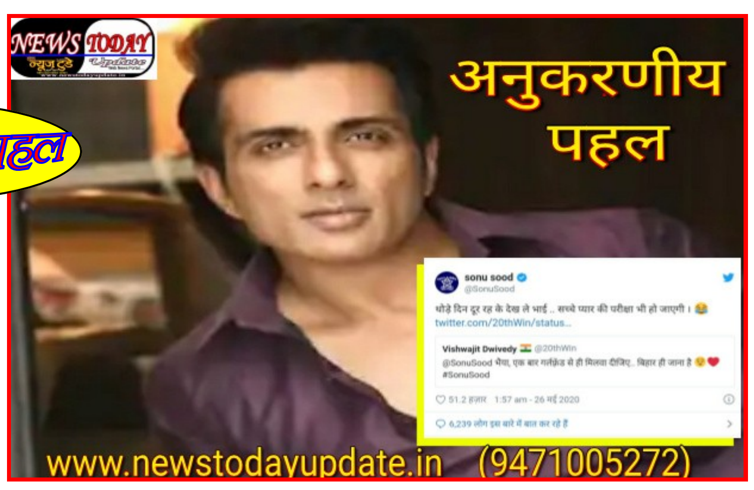

सम्राट, संवाददाता

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद लोगों को राशन–पानी से लेकर प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक वापस पहुंचाने में लगातार मदद कर रहे हैं, वह पिछले कई दिनों से इसी वजह से सुर्खियों में छाए हुए हैं.

कहते हैं कि दुख की घड़ी में जब कोई मदद के हाथ आगे बढ़ाता है, वो धरती पर भगवान के समान होता है. कोरोना की जंग से लड़ने के लिए वैसे तो कई सितारे अपने–अपने अनुसार मदद के हाथ बढ़ा रहे हैं, लेकिन बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद लोगों को राशन–पानी से लेकर प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक वापस पहुंचाने में लगातार मदद कर रहे हैं. वह पिछले कई दिनों से इसी वजह से सुर्खियों में छाए हुए हैं. सोशल मीडिया पर ट्वीट के जरिए लोग उनसे मदद की गुहार लगा रहे हैं और सोनू सूद उन्हें निराश न करते हुए मदद के हाथ आगे बढ़ा रहे हैं. लोग सिर्फ घर वापस जाने के लिए ही नहीं, कोई दारू के लिए तो कुछ ऐसे भी हैं जो गर्लफ्रेंड को लेकर अजीब डिमांड कर रहे हैं.

गर्लफ्रेंड से मिलवाने की फरियाद पर सोनू सूद ने कहा

दरअसल, बिहार के एक लड़के ने सोनू सूद को ट्वीट किया और कहा– 'सोनू सूद भैया, एक बार गर्लफ्रेंड से मिलवा दीजिए, बिहार ही जाना है.' सोनू ने इस शख्स के ट्वीट को भी नज. रअंदाज नहीं किया और बहुत ही मजेदार जवाब देते हुए कहा है– 'थोड़े दिन दूर रह के देख ले भाई .. सच्चे प्यार की परीक्षा भी हो जाएगी. ' इसके साथ उन्होंने हंसने वाली इमोजी भी बनाई है.

भाई मैं ठेके से घर तक तो पहुँचा सकता हूँ, जरूरत पड़े तो बोल देना

इससे पहले एक शख्स ने ठेके तक जाने के लिए उनसे मदद मांगते हुए कहा था, 'सोनू भाई मैं अपने घर में फंसा हुआ हूं. मुझे ठेके तक पहुंचा दो.' इसके जवाब में सोनू सूद ने जवाब में कहा था कि भई ठेके से घर तक पहुंचाना हो तो बता देना.

मूर्ति बनवाने की तैयारी पर सोनू सूद ने ऐसे समझाया

फिल्म लाईन में जरूरी नहीं कि जैसा किरदार एक्टर पर्दे पर निभा रहा हो असल जिंदगी में वह वैसा ही हो, बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद मजबूरों के लिए मसीहा बनकर आए हैं सामने

अनुकरणीय पहल

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

फिल्म लाईन में जरूरी नहीं कि जैसा किरदार एक्टर पर्दे पर निभा रहा हो असल जिंदगी में वह वैसा ही हो। इस बात को पूरी तरह से साबित किया है बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने। आज जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी जैसे संकट से गुजर रहा है तो ऐसे में सोनू सूद मजबूरों के लिए मसीहा बनकर सामने आए हैं। सोनू सूद लगातार प्रवासी मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने रहे हैं। अबतक वह हजारों प्रवारी मजदूरों के उनके घर पहुंचा चुके हैं। जो भी सोनू सूद से मदद के लिए मैसेज कर रहा है या ट्वीट कर रहा है सोनू उसका जवाब दे रहे हैं और उनकी हर संभव मदद कर रहे हैं। लोगों के लिए मसीहा बने सोनू सूद के बारे में आज हम आपको उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं।

एक्टर सोनू सूद ने बॉलीवुड के साथ साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। वह पंजाब के मोगा के रहने वाले हैं। मोगा में उनके पापा की कपड़े की दुकान थी जिसका नाम बॉम्बे क्लॉथ हाउस था। सोनू को बचपन से ही एक्टर बनने की चाह थी। वहीं सोनू सूद की मां प्रोफेसर थीं। वह चाहती थीं कि सोनू सूद बड़े होकर कुछ अच्छा काम करे और बड़ा आदमी बने। ऐसे में उन्होंने इंजीनियरिंग करने के लिए सोनू को नागपुर भेज दिया। इसके बाद सोनू इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर भी बन गए लेकिन हीरो बनने का कीड़ा तो उनको काट चुका था।

सोनू ने अपनी मां से कहा से मुझे एक साल दे दीजिए अगर मैं कुछ नहीं कर सकता तो मैं वापस आकर पापा की कपड़े की दुकान संभाल लूंगा। बस फिर क्या था, सोनू मुंबई आ गए और काम को लेकर स्ट्रगल शुरू। स्ट्रगल के दिनों में सोनू एक फ्लैट में 5–6 लोगों के साथ रहने लगे। कुछ नहीं हो रहा था, कोई काम नहीं मिल रहा था। हर कोई रिजेक्ट किए जा रहा था।

इसके बाद सोनू ने अपनी तस्वीरें कहीं भेजी। पता चला कि वहां तो हीरोइन के लिए लड़की ढूंढी जा रही है और इन्होंने अपनी फोटो भेज दी। लेकिन यहीं से सोनू की किस्मत ने अपना रंग दिखाया। सोनू को कॉल आया कि साउथ इंडियन फिल्म के लिए उन्हें सेलेक्ट कर लिया गया है तो ऑडिशन के लिए आ जाइए। फिर क्या था सोनू पहंच गए।

यहां पर सोनू के साथ काफी अजीबो–गरीब ऑडिशन हुआ। जब सोनू वहां ऑडिशन के लिए पहुचे तो डायरेक्टर प्रोड्यूसर ने उनसे शर्ट उतारने के लिए कहा। पहले सोनू को थोड़ा अजीब लगा। फिर उन्होंने शर्ट उतार दी। इसके बाद सोनू ने शर्ट उतार दी। सबने उनकी बॉडी की खूब तारीफ की। बॉडी देखी गई और सोनू सेलेक्ट हो गए साउथ इंडियन फिल्म में रोल मिल गया।

सोनू ने तमिल फिल्म की उसके बाद तेलुगू फिल्म में काम के बाद बॉलीवुड फिल्मों में काम शुरू किया। हिंदी सिनेमा में उनकी पहली फिल्म 'शहीद–ए–आजम भगत सिंह' थी। इस फिल्म में उन्होंने भगत सिंह का रोल निभाया। सोनू सूद को सही मायने में पहचान मिली सलमान खान की फिल्म 'दबंग' के कैरेक्टर छेदी सिंह से।

लॉकडाउन में बेरोजगार और बेघर हुए मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने का जिम्मा उठा रहे सोनू सूद को उनके इस इनिशिएटिव के लिए खूब तारीफें मिल रही हैं।

सोशल मीडिया के जरिए तमाम परेशान लोग उनसे घर पहुंचाने की गुजारिश कर रहे हैं। सोनू ने लोगों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नम्बर और व्हाट्स एप नंबर जारी किया है, जिस पर उन्हें जबर्दस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोनू ने ट्विटर पर इस नंबर की जानकारी दी है।

सोनू ने विज्ञापन के अंदाज में सूचना जारी की है– नमस्कार, मैं आपका दोस्त सोनू सूद बोल रहा हूं। मेरे प्यारे श्रमिक भाइयों और बहनों, अगर आप मुंबई में हैं और आप अपने घर जाना चाहते हैं, तो कृपया इस नंबर पर कॉल करें– 18001213711 या अपना नाम और पता व्हाट्स एप करें। नंबर है– 9321472118... साथ ही बताएं कि आप कितने लोग हैं। अभी कहां पर हैं और कहां जाना चाहते हैं। मैं और मेरी टीम, जो भी मदद कर पाएंगे, जरूर करेंगे। हमारी टीम जल्द ही आपसे संपर्क करेगी। इस विज्ञापन को शेयर करने के साथ सोनू ने लिखा है– चलो घर छोड़ आऊं।

हाल ही में एक शख्स ने सोनू सूद की दरियादिली से खुश होकर ट्वीट किया. शख्स ने उन्हें बताया कि वो जिस तरह काम कर रहे हैं, उससे खुश होकर लोग बिहार के सिवान जिले में उनकी मूर्ति बनव. ाने की तैयारी कर रहे हैं. इस पर सोनू सूद ने उस शख्स को रिप्लाई करते हुए कहा, 'भाई उस पैसे से किसी गरीब की मदद करना.' सोनू सूद के इस जवाब पर भी लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं.

सोनू को रोज लोग कई ट्वीट कर रहे हैं और मदद की गुहार लगा रहे हैं, ऐसे में सोनू सूद हर संभव इन लोगों की व्यक्तिगत तौर पर मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने इनकी मदद के लिए एक टोल फ्री नंबर साझा किया है. इस बाबत सोनू ने एक ट्वीट करके जानकारी दी है. इस ट्वीट में उन्होंने लिखा, 'मेरे प्यारे श्रमिक भाइयों और बहनों. अगर आप मुंबई में हैं और अपने घर जाना चाहते हैं तो कृपया इस नंबर पर कॉल करें 18001213711 और बताएं आप कितने लोग हैं. अभी कहां पर हैं और कहां जाना चाहते हैं. मैं और मेरी टीम जो भी मदद कर पाएंगे हम जरूर करेंगे.'